@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 145 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 सोमवार, 24 मार्च 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

सीएम ने किया एक मुश्त निपटान स्कीम का शुभारंभ

सुशासन के लिए एक पारदर्शी और न्यायसंगत कराधान प्रणाली आवश्यक

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक समृद्धि और सुशासन के लिए एक पारदर्शी और न्यायसंगत कराधान प्रणाली आवश्यक है। कर प्रणाली सरल और प्रभावी होती है, तो व्यापारियों, उद्यमियों और निवेशकों को लाभ होता है और आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ती हैं। मुख्यमंत्री ने ये बात आज कुरुक्षेत्र में एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 स्कीम से हजारों करदाताओं, विषेशकर छोटे दुकानदारों, उद्यमियों व व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह स्कीम करदाताओं को पुराने वित्तीय बोझ से मुक्त कर एक नई शुरूआत करने का अवसर देगी। उन्होंने कहा कि एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 स्कीम हरियाणा के उन करदाताओं के लिए है, जो किन्हीं कारणों से अपने करों की बकाया राशि का भुगतान नहीं कर सके। इस स्कीम के तहत 10 लाख रुपये तक की बकाया राशि वाले करदाताओं को 1 लाख रुपये तक की छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना आगामी 180 दिनों अर्थात 6 महीनों के लिए खुली रहेगी। उनकी करदाताओं से अपील

है कि वे अपने बकाया का भुगतान जल्द से जल्द करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सभी वर्गों के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए विवादों का समाधान कार्यक्रम शुरू किया था, जिसके तहत विभिन्न विभागों ने समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग नाम से स्कीमें शुरू की हैं। एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 भी उसी श्रृंखला की कड़ी है।

उन्होंने कहा कि आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा को विभिन्न कारणों से बकाया करों की वसूली करने में बड़ी कठिनाई महसूस हो रही थी। इसलिए हमने बकाया करों को कम करने, मुकदमेबाजी को कम करने और बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने के लिए एक मुश्त निपटान स्कीम लागू की है। इस स्कीम को लागू करने से जहां करदाताओं को राहत मिलेगी, वहीं राजस्व वसूली में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी वर्ष 2023 में एक मुश्त निपटान स्कीम लाई गई थी, लेकिन उस स्कीम में कुछ अड़चनें आ गई थी। अब नई स्कीम में अड़चनों को दूर कर दिया गया है। एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 में बकाया कर का वर्गीकरण नहीं किया गया है। यह योजना संचयी निर्धारित बकाया राशि पर आधारित होगी। इस योजना के तहत जुमार्ना राशि एवं ब्याज राशि से पूरी तरह से छूट दी जाएगी। सरकार ने करदाताओं की सुविधा के लिए बकाया करों का भुगतान करने हेतु तीन स्लैब बनाई हैं। करदाता को 10 लाख रुपये तक के संचयी निर्धारित बकाया कर के भुगतान के लिए 10 लाख रुपये में से 1 लाख रुपये तक की छूट को कम करने के बाद उसे 40 प्रतिशत भुगतान करना होगा। 10 लाख रुपये से अधिक व 10 करोड़ रुपये तक के संचयी निर्धारित बकाया कर देयताओं के लिए करदाता को 50 प्रतिशत राषि का भुगतान करना होगा।

अब खिलाड़ी घर बैठे ले सकेंगे नगद पुरस्कार राशि

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

प्रदेश के करीब 29 हजार खिलाड़ियों को हरियाणा सरकार की ओर से नगद पुरस्कार राशि के लिए जिला खेल अधिकारी के कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। अब खिलाड़ी कभी भी घर बैठे खेल विभाग के यूआरएल और कैश अवार्ड मैनेजमेंट सिस्टम पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। इसे लेकर हरियाणा खेल विभाग की तरफ से सभी जिला मुख्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। अब नगद पुरस्कार के लिए कोई तिथि निर्धारित नहीं रहेगी। खिलाड़ी प्रतियोगिता के तुरंत बाद भी नगद पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है। प्रदेश सरकार द्वारा खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए नगद पुरस्कार दिया जाता है। इसके तहत मान्यता प्राप्त राज्य, राष्ट्रीय, ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियन गेम्स सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नगद पुरस्कार दिया जाता है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में आवेदन मांगे जाते हैं। इसके तहत खिलाड़ियों को जिला कार्यालयों में जाकर आवेदन करना होता है। इसके बाद उनकी छटनी की जाती है और यदि किसी खिलाड़ी के दस्तावेज में कोई कमी होती है तो उसे दूर कराया जाता है। इस सब में काफी समय लगता है। इसके अलावा काफी मैन पावर भी लगती है। इसके चलते खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार के लिए काफी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। हरियाणा खेल विभाग ने इसमें बदलाव किया है।

खेल नीति की वजह से पूरी दुनिया में है हरियाणा का नामः कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा देश का स्पोर्ट्स हब है। हरियाणा ने देश को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के बेहतरीन खिलाड़ी दिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की प्रगतिशील खेल नीति की वजह से पूरे विश्व में हरियाणा का नाम है। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने आज रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के मंगल सेन इंडोर जिम्नेजियम हाल में आयोजित शहीद ए आजम भगत सिंह मेमोरियल इंडिया, रसिया, उज्बेकिस्तान बेल्ट रेसलिंग प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि यह उदगार व्यक्त किया। मंत्री कृष्ण

कुमार बेदी ने खिलाड़ियो को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में हरियाणा में बेल्ट रेसलिंग को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल बन चुकी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में खेल बजट में 41 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी करते की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ी बीमा योजना सहित कई तरह की नई योजनाओं का ऐलान बजट में किया है। साथ ही, खिलाड़ियो की छात्रवृत्ति व डाइट मनी भी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा के अनुरूप प्रदेश की 5 यूनिवर्सिटी में स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर भी बनेंगे।

कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हमने तीसरी बार सरकार बनाईः बड़ौली

गुरुग्राम/हरियाणा वाटिका एजेंसी

रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण कराया। इससे पहले कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी समेत तमाम भाजपा नेताओं का जोरदार स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव

नरबीर सिंह ने शहीदी दिवस पर पुष्प अर्पित कर महानायकों को याद किया।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हमारे शहीद देश का गौरव है। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत की वजह से ही आज देश आजाद है। शहीदों का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही हमारी ताकत है। कार्यकताओं की बदौलत ही हमने तीसरी बार सरकार बनाई है। बड़ौली ने कहा कि सर्वप्रिय त्यागी को जिला अध्यक्ष का जो दायित्व मिला है, वह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए काम करें। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि 2014 में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। इन 10 सालों में भाजपा का संगठन लगातार मजबूत होता गया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि विधानसभा और नगर निकाय चुनाव में कार्यकताओं ने मतदाताओं से जो वादे किए हैं उन सभी वादों को इस पंचवर्षीय योजना में पूरा करा दिया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी बड़ी अहम होती है। भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने जिला अध्यक्ष पदभार ग्रहण समारोह में पहुंचे।

तीन बड़े बिल्डरों पर हरेरा ने लगाया करोड़ों रुपए का जुर्माना

पानीपत/हरियाणा वाटिका एजेंसी

पानीपत शहर के दो बड़े बिल्डरों पर हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (हरेरा) ने बड़ा जुमार्ना लगाया है।

प्रत्येक बिल्डर को हरेरा में त्रैमासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट प्रोजेक्ट रिपोर्ट भेजना होता है। जिसमें मुख्यतः कमाई, खर्चा व सुविधाओं का ब्योरा देना होता है। जुर्माना ब्याज समेत देना होगा। पानीपत शहर के हुडा सेक्टर 13-17 में द न्यू सूर्या ईडब्ल्यूएस को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी व स्काई व्यू को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी को 18 अगस्त 2022 को त्रैमासिक रिपोर्ट न देने पर हरेरा ने नोटिस जारी किया था।

जो जंग शहीद भगत सिंह ने शुरू की उसे जारी रखने की जरूरतः अनिल विज

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि उनके जहन में एक बात हमेशा गूंजती है कि आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी उस समय देश की रहनुमाई कर रहे थे और उन्होंने कई भूख हड़ताल की, यदि वे भगत सिंह के लिए एक भी भूख हड़ताल करते तो आजाद हिंदुस्तान की रोशनी शहीद-ए-आजम भगत सिंह भी देख पाते। मंत्री आज अम्बाला छावनी के सिविल एसडीएम सचिवालय में शहीद दिवस के अवसर पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। मंत्री श्री अनिल

विज ने कहा कि हमें शहीदों को सम्मान देना चाहिए और उनके दिखाए गए रास्ते पर चलना चाहिए। यहीं उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि हैं। जो जंग शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू ने शुरू की थी, उसे जारी रखने की आवश्यकता है।

अभी क्रांति को आगे चलाना व बढ़ाना होगा। एक दुश्मन (अंग्रेज रूपी) तो चला गया, कई दुश्मन अभी देश के अन्दर है, जिनमें भ्रष्टाचार, अपने दायित्वों को न निभाना, इनके खिलाफ जंग लडनी है।

मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमने सबको देश में समानता का अधिकार दिलाना है।

सनातनी संस्कृति, संस्कार और नवाचार हमारी ताकतः धनखड़

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

स्वामी दयानंद ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार और ज्ञान से उजाला करने को समर्पित कर दिया। उनकी सुधारवादी विचारधारा से ही स्वदेशी और स्वराज मंत्र मिला। स्वामी जी के इसी मंत्र से प्रेरित होकर देश की आजादी के लिए अनेक देशवासियों ने त्याग और बलिदान दिया। स्वामी जी विचारधारा आज भी हमें नवाचार की ओर अग्रसर करती है। भारत वर्ष की इस समृद्ध परंपरा को गुरुकुल आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने गुरुकुल झज्जर के 109वें वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गुरुकुल ने इस क्षेत्र में सनातनी परंपरा और नैतिकता की शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है।

धनखड़ ने शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुख्देव को नमन किया।

सनातनी शिक्षा के नवाचार से भारत हुआ मजबूत

धनखड़ ने ओमानंद सरस्वती जी ने स्वामी दयानंद जी की विचारधारा के प्रचार प्रसार में अपना जीवन समर्पित कर दिया। ओमानंद जी ने विपरित परिस्थितियों में भी सनातनी परपंरा को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति दूसरों के पीछे-पीछे चलना सिखाती है। हमारे वेद व सनातनी शिक्षा नवाचार और सुधार की ओर अग्रसर करती है। हमारी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए बजटीय प्रावधान जैसे निर्णय हमें नई तकनीक और नये ज्ञान के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित करते हैं। सनातनी शिक्षा की बदौलत हमारे वैज्ञानिकों ने कोरोना के दो-दो टीके बनाकर देशवासियों को कोरोना जैसे महामारी से सुरक्षित किया और दूसरे देशों को भी टीके देने वाला देश बना। सनातनी शिक्षा की बदौलत ही दुनिया के शक्तिशाली देश अब भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखने लगे हैं। जो अंग्रेज अपने ज्ञान पर घमंड करते थे ,उन अंग्रेजों पर सनातनी शिक्षा प्राप्त ऋषि सुनक नाम का भारत के बेटे ने राज किया , अमेरिका में कमला हैरिस ने सनातनी संस्कारों की बदौलत राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा। ये बदलता हुआ भारत है। धनखड़ ने कहा कि भारत के युवा अपनी संस्कृति और संस्कारों को तकनीक के साथ समावेश आगे बढ़ रहे हैं। यह बढ़ते हुए भारत की असली ताकत है। प्रयागराज महाकुंभ में पूरी दुनिया ने सनातनी संस्कृति को माना और प्रंशसा की।

हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टॉल दर बढ़ाने की तैयारी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

आगामी एक अप्रैल से हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर करना महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की ओर से टोल दरें बढ़ाने की तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। अभी प्रदेश में एनएचएआई की सड़कों पर कुल 55 टोल टैक्स प्वाइंट हैं। प्रत्येक टोल प्वाइंट पर मौजूदा दरों में 4 से 5 फीसदी के बीच वृद्धि होना संभावित है। एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक 1 अप्रैल 2025 से टोल की नई दरें लागू होंगी। बहादुरगढ़ क्षेत्र में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस वे, रोहद टोल प्लाजा और छारा टोल प्लाजा आते हैं। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे पर हरियाणा राज्य औद्योगिक संरचना एवं विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) की ओर से दरों में वृद्धि का प्रस्ताव है।

पिछले साल एचएसआईआईडीसी की तरफ से ढाई फीसदी वृद्धि की गई थी, लेकिन उससे पिछले साल यह वृद्धि दर साढ़े सात फीसदी थी।एचएसआईआईडीसी की ओर से हर साल 1 अप्रैल से नया टोल टेंडर जारी किया जाता है। इसमें राशि भी बढ़ाई जाती है और टोल दरें महंगी की जाती हैं, मगर पिछले कुछ महीने से तो टोल का कलेक्शन लेबर रेट पर ही कराया जा रहा है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा जरूरीः डॉ. अरविंद

झज्जर/हरियाणा वाटिका एजेंसी

राज्य के सहकारिता, जेल, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने रविवार को बादली मार्ग पर गांव ऊखलचना (कोट) में एक निजी विद्यालय का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन आरएस गर्ग और निदेशक आयुष गर्ग ने मुख्य अतिथि डॉ अरविंद शर्मा, अर्जुन अवार्डी तरुण ढिल्लो सहित अन्य मेहमानों का स्वागत किया। स्कूल के शुभारंभ अवसर पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि शिक्षा ही समाज और देश के सर्वांगीण विकास का आधार है। पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व प्रदेश सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। युवाओं को उनका कौशल निखारकर रोजगारपरक बनाया जा रहा है। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमें बच्चों में किताबी ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कार पैदा करने चाहिएं। बच्चे अगर संस्कारित होंगे तो वह उन संस्कारों को अच्छे कार्य में लगाकर राष्ट्र व प्रदेश को उन्नति की ओर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों में स्कूल जाने का चाव होना चाहिए, बच्चों में रुचि पैदा करना अभिभावकों के बाद शिक्षकों का योगदान होता है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश के युवाओं के लिए बेहतर व रचनात्मक शिक्षा को जमीनी आधार देने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है।

इसके लक्ष्यों को सिद्धि तक लेकर जाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सजगता के साथ काम कर रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि विद्यालय प्रबंधन टीम व शिक्षकगण इस दिशा में सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे व राष्ट्र व समाज निर्माण के लिए योग्य युवाओं को तैयार करेंगे। सहकारिता मंत्री ने शहीदी दिवस पर महान देशभक्तों को याद करते हुए भावभीनी श्रृद्धांजलि अर्पित की।

किसानों ने परम्परागत फसल चक्र से निकल कर मिसाल कायम कीः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ाने के प्रति गंभीर है। किसानों के हित में अनेक योजनायें शुरू की गई हैं। इस साल कृषि बजट में 19.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं को इजरायल भेजा जायेगा ताकि वे कृषि संबंधी नई तकनीकों से अवगत हो सकें। उन्होंने घरौंडा के इंडो-इजरायल सब्जी उत्कृष्टता केंद्र में होस्टल और सेमिनार हॉल बनवाने की घोषणा की और 74 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने शहीदी दिवस पर क्रांतिकारी वीर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू की शहादत पर उन्हें नमन किया। साथ ही हरियाणा बागवानी पत्रिका का विमोचन किया व किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री रविवार को घरौंडा के इंडो-इजरायल सब्जी उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय 11वें मेगा सब्जी एक्सपो 2025 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान हरियाणा की शान हैं। किसानों ने परम्परागत फसल चक्र से निकलकर फलों व

सब्जियों की खेती तथा मधुमक्खी पालन में नवाचार व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाकर एक मिसाल कायम की है। मेगा सब्जी एक्सपो-2025 हमारे किसानों के लिए कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने का महत्वपूर्ण मंच है। इस तीन दिवसीय एक्सपो में किसानों को बागवानी, सब्जी उत्पादन और मधुमक्खी पालन से जुड़ी नई तकनीकों, उन्नत किस्मों और आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी मिलने के साथ-साथ कई समस्याओं का समाधान मिला है और नई संभावनाओं के बारे में भी पता चला है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान हितैषी है। किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा के बजट 2025-26 में कृषि के बजट में 19.2 प्रतिशत बढ़ोत्तरी की है। पशुधन के लिए बजट में 50.91 प्रतिशत, बागवानी में 95.5 प्रतिशत, मत्स्य का 144.4 प्रतिशत और सहकारिता का 58.8 प्रतिशत बढ़ाया है। प्रदेश सरकार ने पिछले साढ़े 10 वर्षों में किसानों को भावांतर भरपाई योजना के तहत 14500 करोड़ रुपये दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि किसान खुशहाल हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 2025-26 के बजट में देसी गाय की खरीद के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को 25 हजार रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति बूंद अधिक फसल की अवधारणा पर चलते हुए किसान बहुमूल्य पानी की बचत करने के लिए ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व मल्चिंग का भी प्रयोग कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि किसानों को खेती प्रक्रिया में हर कदम पर मदद मिले, यानि बुवाई से पहले और बुवाई के बाद भी और फसल कटाई के बाद भी।

इसी सोच पर चलते हुए सरकार कई तरह की रियायतें व सुविधाएं दे रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बागवानी क्षेत्र को बढ़ाने के लिए बागवानी फसल क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत 510 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से 140 फल एवं सब्जी संग्रह एवं पैक हाऊस स्थापित किए जा रहे हैं। प्रत्येक क्लस्टर में 300 किसान सदस्यों के साथ एक एफ.पी.ओ का गठन व एकीकृत पैक हाउस स्थापित किया जा रहा है।

फलों के बाग लगाने पर प्रति एक्ड़ लागत का 50 प्रतिशत से लेकर 85 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। सब्जियों की खेती के एकीकृत माडल पर 50 प्रतिशत से लेकर 85 तक तथा मशरूम की खेती के लिए भी 40 प्रतिशत से लेकर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि इजरायल और हरियाणा की जलवायु और भूमि में अनेक समानताएं हैं।

शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानीमंडी, 23 मार्च। शहीदी दिवस पर शहीदों को किया नमन नेशनल सोशल आगेर्नाइजेशन भिवानी शाखा द्वारा सिवानी में शहीदी दिवस पर बैठक व विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमे स्वतंत्रता आंदोलन मे क्रांतिकारियों के महत्वपूर्ण योगदान और उनके विचारों के बारे मे विस्तार से बताया गया और शहीदों को पुष्प अर्पित कर याद किया गया। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुशील वर्मा ने बताया की संस्था द्वारा आगामी गतिविधियों के तहत पक्षियों के लिए सिवानी शहर मे स्कोरा अभियान और पेड़ पौधा रोपण भी भविष्य मे किया जायेगा और भिवानी के गांवों पर लोगो को बड़े स्तर पर जागरूक किया जायेगा। इस मोके पर आये हुए गणमान्य लोगो ने भी सहीदो के विचारों को अपना कर के आगे बढ़ने के लिए सन्देश दिया। बैठक में धर्मसिंह खिचड़ सरपंच गांव लीलस, संदीप ज्याणी, संदीप वर्मा, महेन्द्र खिचड़,संदीप खानक आदि युवा सदस्य मौजूद रहे।

रेडक्रॉस कार्यालय में 25 को रक्तदान शिविर का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 23 मार्च। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य शाखा के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी के जन्म दिवस पर रेड क्रॉस समिति की ओर से 25 मार्च को रेड क्रॉस कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह ने बताया कि इस शिविर के साथ-साथ निशुल्क चिकत्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इसमें जरूरतमंद लोगों को निशुल्क परामर्श प्रदान कर निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई जाएंगी।

उन्होंने आमजन से रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक रक्तदान करने का आह्वान किया।

खनिज के अवैध परिवहन करते तीन ट्रक तथा चार ट्रैक्टर पकड़े

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 23 मार्च। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला महेंद्रगढ़ में अवैध खनन तथा खनिज के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी की जा रही है। पिछले दो दिनों में पुलिस के सहयोग से खनन विभाग की टीम ने तीन ट्रक तथा चार ट्रैक्टर राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी तथा रोड़ी के परिवहन में पकड़े गए हैं। इन पर कुल 21.30 लाख रुपए जुमार्ना वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं इस संयुक्त टीम ने पिछले दो दिनों में 500 से अधिक वाहन चैक किए हैं।

यह जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डॉ राजेश कुमार ने बताया उपायुक्त डॉ विवेक भारती तथा पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के मार्गदर्शन में अवैध खनन पर कड़ी निगरानी की जा रही है। जिला में कहीं भी अवैध खनन नहीं होने दिया जा रहा।

उन्होंने बताया कि खनन विभाग के महानिदेशक पांडुरंग लगातार इस मामले में फीडबैक लेते हैं।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार-शनिवार को एसएचओ नारनौल, एसएचओ निजामपुर तथा एसएचओ महेंद्रगढ़ के सहयोग से विभिन्न स्थानों से तीन ट्रक तथा चार ट्रैक्टर राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी तथा रोड़ी के परिवहन करते पकड़े गए हैं। विभाग द्वारा इन सभी पर कुल 21.30 लाख रुपए जुमार्ना वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इन सभी के पास बिल नहीं थे।

गाड़ियों के शीशे तोड़ने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 23 मार्च। करनाल पुलिस थाना शहर की टीम द्वारा विश्वसनीय सूचना के आधार पर थाना शहर करनाल के क्षेत्र की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़ने के मामले में दो आरोपी सावन पुत्र निहाल सिंह निवासी इंदिरा कॉलोनी करनाल। साहिल पुत्र सोनू निवासी श्याम नगर करनाल को गिरफ्तार किया गया। मौके पर आरोपियो के कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया हथियार व एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में अनुसंधान अधिकारी उप निरीक्षक इलम सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नंबर 218 दिनांक 19.03.2025 धारा 111(3)/3(5)/324(5)/324(6) भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संबंध में दोनों आरोपियों को कल माननीय न्यायलय के सामने पेश किया जाएगा।

टाटा एआईए ने लॉन्च किए दो एनएफओ

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 23 मार्च। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स (टाटा एआईए) ने इस बदलाव को पहचानते हुए, विभिन्न उपभोक्ता क्षेत्रों को टारगेट करते हुए दो कॉन्टेक्सच्युअल फंड पेश किए हैं, टाटा एआईए लाइफ टैक्स बोनान्जा कंजम्पशन फंडः विशेष रूप से तैयार किए गए इस फंड के माध्यम से, उपभोक्ता न केवल बढ़ते कंजम्शन रुझानों का लाभ उठा सकते हैं, बल्कि अपने प्रियजनों के लिए वित्तीय सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं। इस प्रकार, यह फंड धन बनाने और वित्तीय सुरक्षा का दोहरा लाभ प्रदान करता है। टाटा एआईए लाइफ टैक्स बोनान्जा कंजम्पशन पेंशन फंडः टाटा एआईए के यूनिट-लिंक्ड पेंशन समाधान के माध्यम से विशेष रूप से उपलब्ध, यह फंड उन लोगों के लिए सही है जो रिटायरमेंट के बाद अपनी बचत बढ़ाना चाहते हैं। दीर्घकालिक विकास दिलाने के लिए डिजाइन किया गया, यह फंड आपको एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करता है।

दोनों नए फंड ऑफर 24 से 31 मार्च 2025 तक उपलब्ध रहेंगे। हर यूनिट की कीमत रु 10 होगी। हिसार में पुनीत जिंदल, रविंदर कुमार और सुशिल कुमार टाटा एआईए के मैनेजिंग पार्टनर बिजनेस असोसिएट्स हैं। ये मशहूर जीवन बीमा सलाहकार इन दो एनएफओ के लॉन्च को लेकर बहुत खुश हैं। वो मानते हैं कि, टाटा एआईए लाइफ टैक्स बोनान्जा कंजम्पशन फंड और टाटा एआईए लाइफ टैक्स बोनान्जा कंजम्पशन पेंशन फंड निवेशकों को हाल ही एक केंद्रीय बजट में घोषित की गयी टैक्स बचत का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करेगा।

टाटा एआईए के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर श्री हर्षद पाटील बताते हैं, शहरीकरण, बढ़ती आय और प्रीमियम उत्पादों और सेवाओं की ओर बदलाव के कारण भारत के कंजम्शन पैटर्न तेजी से विकसित हो रहे हैं। टाटा एआईए लाइफ टैक्स बोनान्जा कंजम्पशन फंड और टाटा एआईए लाइफ टैक्स बोनान्जा कंजम्पशन पेंशन फंड को युवा और मध्यम आयु वर्ग के निवेशकों को इस गतिशील विकास से लाभ उठाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें आपको कर लाभों के साथ-साथ अपने धन को बढ़ाने के भी अवसर मिलते हैं।

मात्र चार वर्षों में हरियाणा का नंबर वन विद्यालय बना गुरुकुल ज्योतिसर

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। गुरुकुल कुरुक्षेत्र सहित गुरुकुल ज्योतिसर, गुरुकुल नीलोखेड़ी एवं आर्यकुलम्-नीलोखेड़ी हेतु चल रही प्रवेश परीक्षाओं में भारी संख्या में अभिभावक और छात्र पहुंच रहे हैं। गुरुकुल शिक्षा उत्सव के तीसरे दिन 7वीं कक्षा हेतु परीक्षा ली गई जिसमें दो हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत ने अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र में उन्होंने लगभग 40 वर्षों तक प्राचार्य पद पर कार्य किया। अभिभावकों के साथ-साथ अध्यापकों के सामने भी आज अनेक चुनौतियां हैं। बच्चों में संस्कारों का अभाव, दूषित होते वातावरण और खानपान के दुष्प्रभाव स्पष्ट नजर आते हैं, यही कारण है कि प्रत्येक अभिभावक गुरुकुलों में अपने बच्चों को प्रवेश दिलाना चाहता है। गुरुकुलों के साफ-स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक आहार और नियमित दिनचर्या से बच्चे जहाँ शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं वहीं कुशल

अध्यापकों के मार्गदर्शन से वे पढ़ाई में भी टॉप करते हैं। इस अवसर पर गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, गुरुकुल नीलोखेड़ी से जगदीश आर्य, गुरुकुल ज्योतिसर से शिवकुमार आर्य सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

आचार्य ने कहा कि अभिभावकों की आशा के अनुरूप उन्होंने गुरुकुल कुरुक्षेत्र के तर्ज पर गुरुकुल नीलोखेड़ी, आर्यकुलम् और गुरुकुल ज्योतिसर आरम्भ किये, ये सभी संस्थान वर्तमान में हरियाणा में न. 1 और नं 2 स्थान पर है। गुरुकुल ज्योतिसर ने मात्र चार वर्षों में यह उपलब्धि हासिल की है, इसके पीछे एक सकारात्मक दृष्टिकोण, अध्यापकों की कड़ी मेहनत और छात्रों का दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि आज देश में हजारों की संख्या में बड़े-बड़े शिक्षण संस्थान है मगर हमारे गुरुकुलों में बच्चों को नैतिक मूल्यों और पुरातन संस्कारों की जो शिक्षा दी जाती है वह अन्यत्र कहीं नहीं मिलेगी। डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने गुरुकुल की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बताया कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र की तरह ही दूसरे गुरुकुलों में भी एनडीए, आईआईटी, नीट हेतु विशेष मार्गदर्शन दिया जाता है। इस वर्ष गुरुकुल ज्योतिसर से भी चार बच्चों ने एसएसबी उत्तीर्ण किया है जिसमें एक छात्र वायुसेना में पायलट बना है।

आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर हो रहा है हलः जगमोहन आनंद

धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को दिए गए सहयोग राशि के चैक

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 23 मार्च। करनाल के विधायक जगमोहन आनन्द ने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास के सिद्धांत पर काम कर रही है। आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

विधायक जगमोहन आनंद शुक्रवार को कैंप कार्यालय में धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को उनके संस्थान के विकास के लिए सहयोग राशि के रूप में चैक देने उपरांत उनसे बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विधानसभा सत्र के दौरान जो मांगे करनाल विधानसभा क्षेत्र की ओर से रखी गई हैं उन्हें जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा और विकास के नये आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने नगर निकाय चुनावों में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने पर सभी को बधाई दी और कहा कि प्रदेश में अब ट्रिपल इंजन की सरकार काम करेगी।

इस मौके पर जिन संस्थाओं को सहयोग राशि के चैक दिए गए , उनमें महाराणा प्रताप स्मृति भवन रेलवे रोड, सैनी समाज भवन सोसायटी पुरानी अनाज मंडी, जन सेवा दल ट्रस्ट, छठ पर्व सेवा समिति मंडल गांधी नगर और सेवा भारती हरियाणा प्रदेश शामिल है। इस मौके पर संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया।

हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ, हरियाणा की राज्य स्तरीय बैठक राज्य अध्यक्ष डॉ दिनेश निंबड़िया की अध्यक्षता में डॉ भीमराव अंबेडकर भवन, सेक्टर 8 कुरुक्षेत्र में संपन्न हुई। इसमें प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जिला प्रधान अमर सिंह, पूर्व राज्य कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश सिरोहा, रमेश थाना आदि साथी रहे। मंच संचालन नरेश फूले, राज्य प्रेस सचिव ने की किया। सर्वप्रथम राज्य कार्यकारिणी व विभिन्न जिलों से आए जिला प्रधान व उनकी कार्यकारिणी सदस्यों ने डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को माल्यार्पण किया। सदन में उपस्थित प्रतिमा को पुष्प अर्पित किए और शहीदी दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव सभी शहीदों को याद करते हुए पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

तदोपरांत जिला प्रधान ने समस्त खंड प्रधान व कार्यकारिणियों के साथ मिलकर विभिन्न जिलों से आए राज्य कार्यकारिणी सदस्य और जिला कार्यकारिणी सदस्यों को

फूलमालाएं पहनकर अभिवादन किया। उसके बाद जिले के पूर्व में रिटायर हुए अधिकारियों, प्रधानाचार्यो को फूल मालाएं पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राज्य कार्यकारिणी की बैठक को आगे बढ़ते हुए राज्य महासचिव विनोद मोदी ने विभिन्न जिला प्रधानों को मंच पर आमंत्रित किया और उनसे संगठन के बैठक के मुख्य मुद्दों पर चर्चा की। यह मुद्दे निम्नलिखित रहे, जैसे संघ की वर्तमान स्थिति और आगामी संघर्ष की योजना बनाना, शिक्षकों से जुड़े सरकारी नियम और उनके प्रभाव, संघ की संगठन आंतरिक मजबूती और विस्तार, संघ की वर्तमान सत्र की सदस्यता व संघर्ष फंड की राशि को राज्य कोषाध्यक्ष को जमा कराना, जिला स्तरीय कैडर कैंप बारे विचार विमर्श व योजना बनाना रहा। सभी जिलों से आए जिला प्रधान व कार्यकारिणियों ने बड़ी सक्रियता के साथ अपने विचार रखें और संगठन को मजबूत बनाने की योजना पर जोर दिया। राज्य प्रधान डॉक्टर दिनेश निबाडिया ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि आगामी समय संगठन को मजबूत करने का समय है जिससे आने वाली चुनौतियों को बेहतर तरीके से लड़ा जा सके। इसके लिए जरूरी है कि जिला स्तर पर कैडर कैंप लगाई जाए और साथियों को जागरूक करके हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ की सदस्यता को बढ़ाया जाए। बैठक में मुख्य रूप से राज्य कोषाध्यक्ष राजेश पेटवाड़, राज्य संयोजक दलवीर राठी, राज्य उप प्रधान सूरत सिंह, राज्य संगठन सचिव नीरज भुक्कल, राज्य उप प्रधान राजकुमार तंवर, उप प्रधान होशियार बाकोलिया, उप प्रधान अरुण बोरिया, राज्य सह कोषाध्यक्ष देवेंद्र नूनवाल, मास्टर राजेश सिंहमार, राज्य सहसचिव जगदीश चहल, जिला कुरुक्षेत्र से रिटायर्ड डिप्टी डीईओ कुरुक्षेत्र राजकुमार तुषार, पूर्व डीपीसी राम करण, पूर्व प्रधान श्रीचंद, पूर्व जिला प्रधान राजपाल, प्रिंसिपल रमेश बौद्ध, राज्य पूर्व राज्य कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सरोहा, राजेंद्र सिंह भट्टी प्रिंसिपल आदि सम्मानित साथियों के साथ जिला संरक्षक रमेश थाना, कोषाध्यक्ष राम दिया बहल, आडिटर राजेंद्र किरमिच, संगठन सचिव राजकुमार, अनिल चौधरी, सीमा रानी, बारुराम, राज्य कार्यकारिणी सदस्य रमेश रंगा, थानेसर खंड प्रधान मनोज मेहरा, सचिव राजेंद्र लांग्यान, लाडवा प्रधान राजकुमार नरवाल, प्रधान बिंटू राम, शाहाबाद प्रधान राजकुमार कठवा, पिहोवा प्रधान दर्शन सिंह रंगा, राजेंद्र टंडन, धर्म सिंह आदि सैकड़ो साथी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान सटैलाईट सैंटर में लगाया निशुल्क मैडिकल चैकअप कैंप

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 23 मार्च। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान सटैलाईट सैंटर सैक्टर-7 करनाल में निशुल्क मैडिकल चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। जिमसें काफी संख्या में मरीज पहुंचे। यह कैंप नव जीवन अस्पताल की तरफ से लगाया गया। कैंप में डा. सुर्या देव आर्य, डा. एस.के. पांचाल समेत कई चिकित्सकों ने 84 मरीजों के स्वास्थय की जांच कर उन्हें निशुल्क दवाईयां भी वितरित की। उन्होंने मरीजों को स्वास्थय को ओर ज्यादा बेहतर रखने के उपाए बताने के साथ-साथ सुझाव भी दिए। कैंप में मरीजों ने लाभ उठाया। जानकारी देते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान सटैलाईट सैंटर सैक्टर-7 करनाल के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि यह सैंटर जरूरतमंद लोगों की सेवा में अहम भूमिका अदा कर रहा है। निशक्त दिव्यांगजनों और बुजुर्गो के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ। दीपक कुमार ने बताया कि यह सैंटर अंतिम पायदान के छोर पर बैठे आमजन तक सेवाओं को पहुंचाने की दिशा की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि यह हरियाणा का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहा पर एक ही छत के नीचे पुनर्वास की सभी सेवाएं निशुल्क दी जा रही है, जिसमे फिजियोथेरेपी, ओक्योपशनल थेरेपि स्पीच थेरेपि मनोवैज्ञानिक सेवां प्रोस्थेटकार और ऑर्थोटिक्स सामाजिक कार्य इत्यादि। इस अवसर पर राजेंद्र, शिवप्रताप सिंह, गीतांजली चावला, राहुल बरखा, धर्मपाल सिंह, डा. अमन, डा. सूर्य देव आर्य समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने के लिए 50 लाख रुपए स्वैच्छिक कोष से जारी किए

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

अम्बाला/चंडीगढ़, 23 मार्च। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से 50 लाख रुपए जारी किए हैं।

विज ने नगर परिषद अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने के लिए वह उपयुक्त स्थान का चयन करें जिसके उपरांत प्रतिमा को लगाया जाए। नगर परिषद द्वारा अब आगामी दिनों में शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने की जाएगी।

गौरतलब है कि अम्बाला छावनी में कैबिनेट मंत्री अनिल विज द्वारा शहीदों एवं वीर सेनानियों के सम्मान में उनकी प्रतिमाएं स्थापित करवाई गई है व स्मारक बनवाए गए हैं। उनके द्वारा शहीद-ए-आज भगत सिंह व नेता जी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा को स्थापित करवाया जा चुका है जबकि 1857 में देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को नमन करने के लिए शहीद स्मारक का निर्माण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में अब छत्रपति शिवाजी महाराज जी की प्रतिमा को स्थापित कराया जा रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा अम्बाला छावनी में वीरता का एकता का संदेश देगी।

डीआर जैन न्यूरोकेयर एंड मल्टीस्पेसिलिटी हॉस्पिटल ने रामसरण माजरा में लगाया फ्री मेडिकल कैंप

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। डीआर जैन न्यूरोकेयर एंड मल्टी स्पेसिलिटी हॉस्पिटल द्वारा गांव रामसरण माजरा में निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया। कैंप में गांववासियों को बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों और उनसे बचाव के उपायों पर जागरूक करते हुए हॉस्पिटल के डॉ राजेश कुमार ने कहा कि वर्तमान में मौसम के परिवर्तन का सीधा असर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। सुबह-शाम हल्की सर्दी और दिन में तेज गर्मी की वजह से कई प्रकार की बीमारियां लोगों को घेर लेती हैं। अगर समय पर सतर्कता न बरती जाए तो ये साधारण लक्षण गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं बन सकते हैं। इस मौसम में मुख्य रूप से ये रोग अधिक देखने को मिलते हैं, सर्दी-खांसी, गले में खराश और टॉन्सिल, वायरल बुखार, सिरदर्द और बदन दर्द, सांस लेने में तकलीफ (अस्थमा, एलर्जी), पेट दर्द, अपच, दस्त या कब्ज, त्वचा पर एलर्जी या खुजली, जोड़ों का दर्द और थकावट होती है। उन्होंने बीमारियों से बचाव के लिए सुझाव दिए कि सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े पहनें, ताकि सर्दी से बचा जा सके, दिन में धूप से बचाव करें और अधिक देर तक बाहर न रहें, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, हाथों को बार-बार धोते रहें। स्वच्छ और हल्का भोजन करें, तैलीय और बासी भोजन से परहेज करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, शरीर में पानी की कमी न होने दें। ज्यादा भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। हल्की फिजिकल एक्टिविटी या व्यायाम करें, ताकि शरीर सक्रिय रहे। किसी भी बीमारी के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डॉ संजय शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस 1988 वें निशुल्क कैंप में 117 रोगियों को परामर्श, चैकअप, ब्लड शुगर, प्लस रेट, हिमोग्लोबिन व फ्री दवाइयां दी गई। इस अवसर पर सरपंच रीना देवी व ओमप्रकाश समाजसेवी ने डॉ हिमांशु जैन ब्रेन व स्पाइन न्यूरो सर्जन, डॉ राजेश कुमार, डॉ संजय शर्मा, डॉ प्रीति का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में कर्मवीर लोहट, रामसरूप सैनी, डिम्पल, रमेश कुमार, राजीव, विलायती राम, अजय कुमार चौकीदार, मोनिका कोआर्डिनेटर जी.एन.एम., रिया, तनु, प्रवीण, अजय, सौरभ, कुलदीप इत्यादि ने सराहनीय योगदान दिया।

मां भद्रकाली शक्तिपीठ से निकलेगी विशाल शोभायात्रा 29 को

नवरात्रों के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाने का कार्य शुरू

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। चैत्र नवरात्रि को भव्य, भक्तिमय और सुव्यवस्थित बनाने हेतु माँ भद्रकाली शक्तिपीठ में रविवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा के अनुसार चैत्र नवरात्रि को आनंद महोत्सव व अश्विन नवरात्रि को शक्ति महोत्सव के नाम से मनाया जाता है। इस वर्ष आनंद महोत्सव 29 मार्च से 13 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें 30 मार्च से 6 अप्रैल तक नवरात्रि पर्व होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीठाध्यक्ष ने सभी कार्यकताओं को उनकी जिम्मेदारियों की रिहर्सल करवाई। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाने का कार्य भी शुरू हो चुका है। इस बार भी विशेष रूप से विदेशी और भारतीय पुष्पों से मां के दरबार को सजाया जाएगा। मंदिर के मुख्य द्वार, प्रांगण और गर्भगृह में रंगीन रोशनी, तोरण द्वार एवं पारंपरिक व आधुनिक सजावट की जाएगी। इसके अलावा, श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सुरक्षा, सफाई, पेयजल एवं भंडारे की विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। 29 मार्च, शनिवार को हरियाणा की सबसे बड़ी शोभायात्रा निकलेगी, जो दोपहर 1 बजे माँ भद्रकाली शक्तिपीठ से ज्योति रथ के साथ संपूर्ण नगर में भ्रमण करते हुए सांय 6 बजे पुनः मंदिर में प्रतिष्ठापित

होगी। शोभायात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर जनता स्कूल, रोटरी चौक, छोटा बाजार, सीकरी चौक, पालिका बाजार, अम्बेडकर चौक, आर्य समाज मार्किट, पारस सिनेमा, गोल बैंक, न्यू कॉलोनी, अमीन रोड, छटी पातशाही, कच्चा घेर, मोहन सिनेमा, शास्त्री मार्केट, दर्रा खेड़ा, शेख चिल्ली मकबरा होते हुए वापिस मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा का स्वागत व प्रसाद वितरण करने वाले भक्तों से भी निवेदन किया गया कि वो ज्यादा से ज्यादा स्वच्छ जल की व्यवस्था व साफ सफाई की व्यवस्था रखें। 30 मार्च, रविवार को प्रथम नवरात्रि के अवसर पर हिंदू नववर्ष अभिनंदन महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर रात 8 बजे से भारत माता पूजन एवं विशेष आतिशबाजी होगी, जिसमें "कलर डे आउट पटाखों" का प्रयोग किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली से 5 सदस्यीय पटाखा दल 25 मार्च को ही मंदिर पहुंच जाएगा। 30 मार्च को ही माँ का विशेष सचित्र स्वर्णिम खजाना प्रातः 7 बजे से रात्रि 7 बजे तक मुख्य पुजारिन शिमला देवी द्वारा भक्तों को प्रदान किया जाएगा। हरियाणा व विशेषतौर पर कुरुक्षेत्र की प्रसिद्ध जागरण मंडलियों द्वारा प्रतिदिन भजन संध्या सांय 4 से 7 बजे तक होगी, जिसका समापन 505 दीप महाआरती के साथ सांय 7 बजे होगा। मीटिंग में शिमला देवी, देवेंद्र गर्ग, संजीव मित्तल, हाकम चौधरी, आशीष दीक्षित, जीवन मौदगिल, सुनील वर्मा, सुरजीत, योगेश, विशु, सतीश शर्मा, राजकुमार, अनिल सहित सेवक मौजूद रहे।

धर्म की रक्षा हेतु प्रभु प्रत्येक युग में आते हैं: सुश्री वैष्णवी भारती

बड़े धूम धाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्म उत्सव

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया 23 मार्च। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से श्रीमद् भागवत सप्ताहिक कथा ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत चतुर्थ दिवस की सभा में सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री वैष्णवी भारती जी ने प्रभु के अवतारवाद के विषय में बताया गया। प्रभु धर्म की रक्षा हेतु प्रत्येक युग में आते हैं। भक्तों का कल्याण करने तथा दुष्टों को तारने वे हर युग में अवतार लेते हैं। द्वापर में कंस के अत्याचार को समाप्त करने के लिए प्रभु धरती पर आए। उन्होंने गोकुल वासियों के जीवन को उत्सव बना दिया। कथा के माध्यम से नंद महोत्सव की धूम देखने वाली थी। साध्वी और स्वामीजनों ने मिलकर प्रभु के आने की प्रसन्नता में बधाया गाया। आज गोकुल के उत्सव को देखने का अवसर सभी को प्राप्त हो गया। सोचने की बात है जब नंद बाबा भगवान को टोकरी में डालकर गोकुल लेकर गए तो उस समय प्रभु हमें संदेश देते हैं। जिस प्रकार नंद बाबा ने मुझे सिर पर धारण किया। तभी उनकी हाथों पैरों की बेड़ियां टूट गई। इसी प्रकार जो मुझे जीवन में प्रथम स्थान पर रखता है। मैं उसके लिए आत्म जाग्रति के द्वार खोल देता हूं। मैं युगों-युगों से आत्मज्ञान के लिए प्रेरित करता आया हूं। परंतु आत्मा के जागरण के बिना मानव नरसंहार करता आया है। अपने मन के बिखराव को समेट नहीं पाया। भीतर की शक्ति का सदुपयोग नहीं करना आया। मन के भटकन के कारण समाज को अपनी अनुचित व्यवहार कारण दूषित कर रहा है। भगवान श्री कृष्ण जी ने विभिन्न प्रकार की लीलाएं की। वो माखन चोरी करते तो भक्तों ने माखन चोर कह दिया। माखन चोरी करने की लीला से उन्होंने भक्तों के भावों को ग्रहण किया। उनके भीतर उपजी हीनता की भावना का अंत किया। प्रेम की प्रगाढ़ता

स्थापित की। इस लीला को भावार्थ यही कि प्रभु हमारे भीतर शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करना चाहते हैं। हमारे आयुर्वेद में भी ऐसी संतुलन के बारे में कहा गया है। आयुर्वेद विश्व का आदि प्राचीन चिकित्सा विज्ञान है। यह विज्ञान के साथ-साथ जीवन का दर्शन भी बताता है। यह हमारे ऋषियों की खोज है। परंतु हम इस की वैज्ञानिकता से अपरिचित हैं। आज पूरे विश्व में आयुर्वेद का प्रभाव फैल रहा है। अमेरिका ने तो आयुर्वेद से कैंसर के उपचार को खोजना प्रारंभ कर भी दिया है।

अमेरिका के स्वास्थ्य विभाग ने भारत के आयुर्वेद संस्थाओं से हाथ मिलाया है। अदरक की एक विशेष प्रजाति से कैंसर का उपचार संभव है, इस दिशा में शोध भी हो चुका है। धनतेरस वाले दिन हम धनवंतरि जी को स्मरण करते संकल्प लें कि हम आयुर्वेद को प्राथमिकता देंगे। आयुर्वेद का प्रयोजन यही कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य को ठीक रखना तथा रोगी को रोग मुक्त बनाना।

पूरी दुनिया के लोग आयुर्वेद को अपनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हम पीछे न रह जाए। आज ऐसी जाग्रति की आवश्यकता है। कथा का समापन आरती के साथ हुआ, कथा में विशेष तौर से छिंदरपाल दानेवालिया-प्रधान श्री कृष्ण गौशाला एवं उनके सदस्य, राजीव गर्ग (सेक्रेटरी लखदातार संस्था) रतिया, राज कुमार सिंगला (करंडी वाले), साहिल बंसल, साधुराम बंसल, वीरेंद्र सिंह वीरू, हरी राम, सोहनलाल, आदेश शर्मा (रतिया), संजीव कंबोज (गांव नागपुर), राकेश पवार (सरपंच गांव मुंशीवाला), बी. एल. बत्रा (ट.ऊ जी. डी. गोयंका स्कूल रतिया), राजेश कुमार (सरपंच गांव ढाणी बिलासपुर), शकुंतला देवी, बहन गुड्डू ट.ऊ, राधा कृष्ण महिला मंडल (नहर कॉलोनी) निर्मला जी, नरेश धनौला वाले, सतपाल ग्रोवर (प्रधान आत्माराम धर्मशाला), महासचिव- धीरज मोंगा (एडवोकेट फतेहचंद सरदाना), चेयरमैन श्री नैना देवी सेवा ट्रस्ट, सनी एवं अनिल आर एस मोटर्स (सिरसा) उपस्थित थे।

जीडी गोयंका ग्लोबल स्कूल में वार्षिक समारोह का हुआ आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सिवानीमंडी, 23 मार्च। जी.डी. गोयंका ग्लोबल स्कूल सिवानी में बड़े भव्य तरीके से रविवार को वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। स्कूल के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर चेयरमैन हरियाणा शिक्षा बोर्ड अधिकारी डॉ पवन शर्मा ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉक्टर पवन शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्रा, चेयरमैन नगर पालिका सिवानी की वंदना राजेश केडिया व बीईओ डॉ सुरेंद्र सिंह, सामाज सेवी बाबूलाल जिंदल व पूर्व मनोनीत पार्षद नवीन सुरतपुरिया ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके की। विद्यालय के चेयरमैन सुशील शर्मा, डायरेक्टर पूनम शर्मा व प्रधानाचार्य अर्पित रोहतगी ने आने वाले अतिथिगणों को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें नृत्य, संगीत, नाटक, कराटे योग आदि सम्मिलित थे। विद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिभावकों ने कार्यक्रम की सराहना की और छात्रों के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हुए। मुख्य अतिथिगणों के अनुभवी विचारों को सुनकर सभी लाभांवित हुए व अपने अनुभव सांझा किये तथा स्कूल की उन्नति की कामना की। इस प्रकार विद्यालय का वार्षिक समारोह का सफल आयोजन रहा। जिसमें छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान शहर के गणमान्य लोगों में अध्यापक संघ के नेता रामोतार, धर्मबीर ख्यालिया, कृष्ण फोगला, मुंशीराम, राकेश अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

भारती निकेतन कॉन्वेंट स्कूल में किया गया शहीदों को नमन

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया 23 मार्च। भारती निकेतन कॉन्वेंट स्कूल में शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण स्मरण किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने शहीदों की वेशभूषा में शहीद देश भक्तों भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की जीवनी को लघु नाटिका के द्वारा प्रस्तुत किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनेक युवाओं ने आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई। स्कूल संस्थापक बी. एल.बतरा ने बच्चों को अपने देश के लिए समर्पित रहने के लिए उत्साहित किया और बताया कि आज जो हम खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं, वह हमारे देश के लिए बलिदान देने वाले देशभक्तों के कारण है। और साथ ही स्कूल के प्रधानाचार्य ने कहा कि आजादी के दीवानों के इस बलिदान को हम कभी भूल नहीं सकते। स्वतंत्रता के नायकों ने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर हमें आजादी दिलवाई है और इस आजादी को हमें संभाल कर रखना चाहिए इस अवसर पर स्कूल का समूह स्टाफ मौजूद रहा।

युवाओं का अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना जरूरी: कादयान

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 23 मार्च। हरियाणा को नशामुक्त बनाने और युवा शक्ति को जागरूक करने के संकल्प के साथ कार्यरत भगत सिंह फाउंडेशन ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेणू कादयान ने कहा कि भगत सिंह सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो हमें अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देते हैं। उनका बलिदान हमें यह सिखाता है कि देश के युवाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए और समाज को सही दिशा में आगे ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगत सिंह फाउंडेशन नशामुक्त हरियाणा के लक्ष्य को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है। पूरे प्रदेश में हमारी टीम सक्रिय रूप से युवाओं को नशे से दूर रखने और जागरूक करने के लिए अभियान चला रही है। फाउंडेशन की ब्रांड एंबेसडर, अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही मीनू कलीरामन जिन्होंने सरकार द्वारा कल्पना चावला शौर्य अवॉर्ड प्राप्त किया है, भी नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान में अहम भूमिका निभा रही हैं। पर्वतारोहण के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित करने के साथ-साथ मीनू कलीरामन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित हैं। उन्होंने अपने अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया है। कादयान ने कहा कि भगत सिंह फाउंडेशन की पूरी टीम नशा मुक्त हरियाणा की इस मुहिम को सफल बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से कार्य कर रही है।

स्व. ओमप्रकाश चौटाला की स्मृति में व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 23 मार्च। हरियाणा के पूर्व सीएम स्व. ओमप्रकाश चौटाला की स्मृति में जेसीडी विद्यापीठ में चली दो दिवसीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट में टीम ए और टीम बी के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता में भारतीय बी टीम ने कुल मिलाकर 2-1 के स्कोर से जीत दर्ज की। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति समर्पण, हिम्मत और स्पर्धात्मक भावना को उजागर करता नजर आया। विशेष रूप से उन खिलाडि़ों के लिए जिन्होंने शारीरिक चुनौतियों का सामना करते हुए भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह की अध्यक्षता जेसीडी के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने की। उन्होंने बताया कि सिरसा जिला में पहली बार इंडिया व्हीलचेयर टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि साहस, आत्मनिर्भरता और अदम्य इच्छाशक्ति का प्रतीक भी है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना है कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण हमें प्रेरणा देते हैं। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाई कन्हैया आश्रम से पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित गुरविंद्र सिंह, डॉ. वरुण गोदरा, डॉ. सुधांशु गुप्ता, डॉ. ओमप्रकाश, एडवोकेट अनूप सिंवर, श्रवण गढ़वाल, हरजीत, अमित आजाद, पार्थ मोंगा एवं रवि समेत सम्माननीय व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

शिक्षित होना नारी सशक्तिकरण का पहला कदम: डॉ.जोगिंद्र सिंह

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 23 मार्च। राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसा में महाविद्यालय के प्राचार्य रामकुमार जांगड़ा की अध्यक्षता डॉ. प्रीत कौर के संयोजन में एनएसएस इकाई के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत अभिनंदन और लक्ष्य गीत से की गई। शिविर में आज के मुख्य वक्ता सीएमआरजे राजकीय महाविद्यालय मीठी सुरेरा एलेनाबाद से डॉ. जोगिंदर सिंह ने महिला सशक्तिकरण व महिला अधिकार विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण महिलाओं को अपने जीवन पर नियंत्रण पाने और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने, उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनाने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। नारी, जो सृजन और ममता की प्रतिमूर्ति है, जब आत्मनिर्भर और सशक्त बनती है, तो वह न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज को सकारात्मक दिशा देती है।

महिलाओं का शिक्षित होना सशक्तिकरण का पहला कदम है। शिक्षा से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं। महिलाओं के अधिकारों की धारणाओं के साथ जुड़े मुद्दों में शारीरिक अखंडता और स्वायत्तता का अधिकार, यौन हिंसा से मुक्ति, वोट देने का अधिकार, सार्वजनिक पद धारण करने का अधिकार, कानूनी अनुबंध करने का अधिकार, पारिवारिक कानून में समान अधिकार, काम करने का अधिकार, उचित मजदूरी या समान वेतन, प्रजनन अधिकार, स्वामित्व का अधिकार आदि शामिल हैं। दूसरे सत्र में एनएसएस छात्राओं द्वारा चतरगढ़ पट्टी में एंटी ड्रग रैली का आयोजन किया गया जिसे महाविद्यालय के डॉ. विक्रमजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से समाज की सेवा करने का अवसर मिलता है महान पुरुषों के उदाहरण उदाहरण देते हुए सेविकाओं को अनुशासित व समर्पित होकर समाजिक कार्यों के लिए प्रेरित किया। तीसरे सत्र में महाविद्यालय प्रांगण का निरीक्षण करके जरूरत के मुताबिक संवारने का कार्य किया। अंतिम सत्र में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंत में मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीत कौर के साथ शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों तथा सभी एन एस एस विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

लोहारू के रामलीला मैदान में हवन यज्ञ कर शहीद दिवस पर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

वीर सपूतों को शहीद का दर्जा देने के लिए महामहिम राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 23 मार्च। स्थानीय रामलीला मैदान में शहीद भगत सिंह कल्याण समिति के सौजन्य से 94 वें शहीदी दिवस पर हवन यज्ञ किया गया और र शहीदी दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद शहीद भगत सिंह कल्याण समिति के अध्यक्ष जगदीश जायलवाल ने शहीदों के जीवन पर प्रकाश डाला और भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को शहीद का दर्जा देने के लिए भारत सरकार व महामहिम राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर शहीद का दर्जा देने की मांग की गई है। अध्यक्ष जगदीश जायलवाल ने बताया कि शहीद दिवस भारत के उन तीन वीर सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भगत सिंह, राजगुरु और

सुखदेव को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी पर लटका दिया था। तीनों वीर सपूतों ने न केवल अपने बलिदान से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी, बल्कि अपने विचारों से युवाओं के दिलों में देशभक्ति की अलख जगाई। भगत सिंह के विचार आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज भी देश के लोगों को इस बात का मलाल है कि उन वीर सपूतों को शहीद का दर्जा नहीं दिया जो निंदनीय है। उन्होंने बताया कि इस मांग को भारत सरकार और महामहिम राष्ट्रपति के पास भेजा गया है ताकि इन वीर सपूतों को शहीद का दर्जा मिल सके। शहर के सभी गणमान्य नागरिकों ने उपरोक्त विषय के संदर्भ में भारत सरकार का हस्ताक्षरयुक्त पत्र के माध्यम से भारत सरकार का इस ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका सवाल है कि भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव सिंह को शहीद का दर्जा देने में देर कहां हो रही है?

आपकी सरकार हर जटिल फैसले ले रही है तो इन शहीद वीरो को शहीद का दर्जा देने में समस्या क्या है? सभी की एक ही मांग थी कि वीर सपूतों को शहीद का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि देश की सरकार लोकसभा व राज्यसभा मे बिल लेकर आए और शहीदों को सम्मान देने का काम करे। देश का हर एक युवा यह देखना चाहता है कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव सिंह को शहीद का दर्जा देने में विरोध करने वाले कौन-कौन हैं हम उस पार्टी व सरकार को कभी माफ नहीं करेंगे और डटकर विरोध करेंगे। इस मौके पर शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने एस्पायरिंग इंजीनियर्स के लिए पेश किया आकाश इनविक्टस कैंपस

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
गुरुग्राम, 23 मार्च। परीक्षा की तैयारी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्व के साथ आकाश इन्विक्टस का शुभारंभ किया है। यह जेईई की तैयारी के लिए एक अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है, जिसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिजाइन किया गया है। यह उच्च-स्तरीय, व्यक्तिगत एआई आधारित और परिणाम-केंद्रित कार्यक्रम आईआईटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। आकाश इन्विक्टस कैंपस की इमारत 2 मंजिलों में बंटी हुई है, जिनमें से प्रत्येक मंजिल 4400

वर्ग फीट के क्षेत्र को कवर करती है, जो उन्नत शैक्षिक अनुभव के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करती है। यह परिसर 12 आधुनिक कक्षाओं से सुसज्जित है, जिन्हें जेईई तैयारी के लिए केंद्रित और व्यक्तिगत दृष्टिकोण से अनुकूलित किया गया है। आकाश इन्विक्टस लगभग 500 सबसे अच्छे जेईई शिक्षक एक साथ लाता है, जो एक लाख से ज्यादा छात्रों को आईआईटी में सफलता दिलाने में मदद कर चुके हैं। ये शिक्षक छात्रों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसका पाठ्यक्रम अत्याधुनिक है और इसे उन छात्रों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है, जो टॉप आईआईटी रैंक हासिल करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री दीपक मेहरोत्रा ने प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, आकाश इन्विक्टस केवल एक कोचिंग प्रोग्राम नहीं है; यह उन छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा है, जो शीर्ष आईआईटी रैंक हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। ये प्रोग्राम दशकों के एक्सपीरियंस, एडवांस्ड टीचिंग मेथड्स और पर्सनलाइज्ड, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन को टॉप-लेवल फैकल्टी के साथ जोड़ता है। पिछले कुछ वर्षों में, हमारे शिक्षकों ने लाखों छात्रों को शीर्ष आईआईटी में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त की है। अध्ययन सामग्री को पूरी तरह से नए तरीके से तैयार किया गया है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम शामिल है और इसे उद्योग के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों ने विकसित किया है।

सिवानी में पार्षद दीपचंद शर्मा की ओर से एक भव्य जलपान पार्टी का किया गया आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सिवानीमंडी, 23 मार्च। पालिका चुनावों की जीत के बाद अब जलपान पार्टियों का आयोजन शुरू हो गया है ऐसे में निर्विरोध चुने गए वार्ड 9 के पार्षद दीप चन्द शर्मा की ओर से रविवार को एक भव्य पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका के सभी पार्षदों ने शिरकत की और आपसी सौहार्द एवं सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। जलपान पार्टी के दौरान शहर के विकास कार्यों को गति देने और नागरिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। पार्षद दीपचंद शर्मा ने अपने संबोधन में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने वार्ड सहित पूरे क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। वहीं, चेयरपर्सन वंदना केडिया ने भी पार्षदों को एकजुट होकर शहर के उत्थान के लिए कार्य करने की अपील की।
इस आयोजन से नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर सामंजस्य देखने को मिला, जिससे शहर के समग्र विकास की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस मौके पर बार प्रधान डीके सांगवान, सरपंच धर्मसिंह लीलस,पूर्व सचिव अर्जुन शर्मा,मीनू चौहान, सुनील शर्मा बडवा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे

ई-रिक्शा चालक से छीने 3700 रुपए

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 23 मार्च। जिला नागरिक अस्पताल रोड पर तीन युवकों ने एक ई-रिक्शा चालक से 3700 रुपए छीन लिए।
पुलिस को दी शिकायत में आशीष निवासी प्रेम गली कीर्तिनगर ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाता है। उसने बताया कि बीती 21 मार्च की रात्रि को वह जिला नागरिक अस्पताल से काली माता मंदिर की ओर जा रहा था। तभी तीन युवकों ने हाथ देकर उसे रूकवा लिया और बस स्टेंड जाने की बात कही। कुछ दूरी पर जाने के बाद युवकों ने उसे रूकवा लिया और जबरदस्ती करते हुए उसकी जेब से 3700 रुपए की नकदी छीनकर ले गए। उसने काफी शोर भी मचाया, लेकिन रात का वक्त होने के कारण युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। किसी तरह उसने परिजनों व पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 23 मार्च। शहर के फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र में चोर एक बंद पड़े मकान में घुसकर 50 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक बख्शीश कुमार ने बताया कि बीती 21 मार्च की रात्रि को वह परिवार सहित जागरण में गया हुआ था। इसी का फायदा उठाकर चोर घर में घुसे और अलमारी के ताले तोड़कर उसमें रखी 50 हजार रुपए की नकदी सहित एक सोने की अंगूठी चोरी कर ले गए। सुबह जब वे घर आए तो घटना का पता चला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त नकदी व अंगूठी गायब थे। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ढाणी से नकदी व आभूषण चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 23 मार्च। रानियां थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुरिया निवासी एक किसान की गांव दलीप नगर के खेतों में बनी ढाणी से चोर 5 हजार रुपए की नकदी व सोने की तबीजी चोरी कर ले गए।
पुलिस को दी शिकायत में पवन कुमार ने बताया कि उसकी गांव दलीप नगर के खेतों में ढाणी है। उसने बताया कि बीती 21 मार्च की सुबह उसकी पत्नी खेतों में चारा काट रही थी। तभी बाइक सवार एक युवक ढाणी में घुसा और अलमारी से 5 हजार रुपए की नगदी व एक सोने की तबीजी चोरी कर ले गया। उसकी पत्नी ने काफी शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते, युवक भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

संपादक की कलम से

राजस्थान दिवस वर्ष प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय

स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि हमें गौरव से जीने की भावना जागृत करनी है और यदि हम अपने हृदय में देशभक्ति के बीज बोना चाहते हैं तो हमें हिंदू राष्ट्रीय पंचांग की तिथियों का आश्रय लेना होगा। जो कोई भी विदेशियों की तिथियों पर निर्भर रहता है वह गुलाम बन जाता है और आत्मसम्मान खो देता है। स्वामी विवेकानंद की यह उद्घोषणा भारतीय संस्कृति और काल गणना के महत्त्व को रेखांकित करता है। साथ ही भारत के नीति निमार्ताओं को भी मार्गदर्शन देती है कि उन्हें राष्ट्र और समाज के उत्थान और उसके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के लिए क्या करना चाहिए।

हाल ही राजस्थान सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर राजस्थान राजस्थान का स्थापना दिवस भारतीय तिथि के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाने की घोषणा की है। विधानसभा के पटल पर रखा गया मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का ये निर्णय भारत की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने की ओर महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित तौर पर इससे राजस्थान दिवस समारोह राजस्थान की आम जनता का उत्सव बन सकेगा।

गौरतलब है कि भारतीय नववर्ष मनाने के लिए गठित नववर्ष समारोह समिति गत 24 वर्षों से राजस्थान सरकार से लगातार मांग कर रही थी कि राजस्थान स्थापना दिवस 30 मार्च के बजाय वर्ष प्रतिपदा नव संवत्सर पर मनाया जाए। इसके पीछे उनका तर्क है कि राजस्थान की स्थापना हिन्दू पंचांग के अनुसार इसी दिन शुभ मुहूर्त देखकर हुई थी। उस दिन 30 मार्च थी। बाद में वर्ष प्रतिपदा को भुला दिया गया और 30 मार्च को स्थापना दिवस मनाया जाने लगा।

30 मार्च 1949 को संयुक्त राजस्थान के उद्घाटन के अवसर पर तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भी अपने भाषण में इस बात का उल्लेख किया था। अपने महत्वपूर्ण भाषण में तब उन्होंने कहा था–ह्यराजपूताना में आज नए वर्ष का प्रारंभ है। यहां आज के दिवस वर्ष बदलता है। शक बदलता है। यह नया वर्ष है। तो आज के दिन हमें नए महा-राजस्थान के महत्व को पूर्ण रीति से समझ लेना चाहिए। आज अपना हृदय साफ कर ईश्वर से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें राजस्थान के लिए योग्य राजस्थानी बनाये। राजस्थान को उठाने के लिए राजपूतानी प्रजा की सेवा के लिए ईश्वर हमको शक्ति और बुद्धि दे। आज इस शुभ दिन हमें ईश्वर का आशीर्वाद मांगना है। मैं आशा करता हूं कि आप सब मेरे साथ राजस्थान की सेवा की इस प्रतिज्ञा में इस प्रार्थना में सम्मिलित होंगे। जय हिंद!

बल्लभ भाई पटेल के भाषण की बातें राजस्थान का स्थापना दिवस समारोह वर्ष प्रतिपदा जैसे शुभ अवसर पर आयोजित करने के लिए पर्याप्त है।

भारतीय नववर्ष महज तिथि का बदलना नहीं है। यह वह अवसर है जब प्रकृति पूरी तरह सजधज कर दुल्हन का सा स्वरूप धारण करती है। वसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जब पेड़-पौधों में नए पत्ते और फूल खिलते हैं। वातावरण में उत्साह का संचार होता है। इसका खगोलीय महत्व है, जिसका विस्तार से वर्णन भारतीय शास्त्रीय परंपरा में है ।

वर्ष प्रतिपदा एक खगोलीय गणना है, जो ब्रह्मांडीय घटनाओं से जुड़ा हुआ है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक पूर्ण चक्र पूरा करती है। इस दिन दिन-रात बराबर होते हैं, जो संतुलन और नए जीवन का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त भारत में अनेक ऐतिहासिक घटनाएं हैं जो इस दिन से जुड़ी है, जो सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को प्रेरणा देती है। राजा विक्रमादित्य ने इसी दिन विक्रम संवत की स्थापना की थी। भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। यह सिखों के दूसरे गुरु श्रीअंगद देव जी का जन्मदिन भी है। स्वामी दयानन्द सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉक्टर केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी इसी दिन हुआ था।

राजस्थान के इतिहास की बात करें तो इसे पहले राजपूताना के नाम से जाना जाता था। तब यहाँ अनेक रियासतें थीं, जिन्हें मिलाकर यह राज्य बना। राजस्थान का एकीकरण 7 चरणों में पूरा हुआ। इसकी शुरूआत 18 अप्रैल 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली रियासतों के विलय से हुई। विभिन्न चरणों में रियासतें जुड़ती गईं तथा अन्त में 1949 में वर्ष प्रतिपदा (30 मार्च) के दिन जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों के विलय से ह्ववृहत्तर राजस्थान संघह्व बना। इसे ही राजस्थान स्थापना दिवस कहा जाता है। इसमें सरदार वल्लभभाई पटेल की सक्रिय भूमिका थी। वे सरकार की विलय योजना के अंतर्गत विभिन्न रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने का काम कर रहे थे।

राजस्थान सरकार का राजस्थान स्थापना दिवस को वर्ष प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक रूप से पूर्णतः उचित है। यह केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान, स्वाभिमान और गौरवशाली परंपराओं को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरदार पटेल के शब्दों को याद रखते हुए, यह कहा जा सकता है कि यह निर्णय राजस्थान को गौरवशाली अतीत से जोड़ते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा।

पुनश्चः जन्म कुंडली और विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कार हम ग्रह-नक्षत्रों की दिशा पर आधारित तिथियों के अनुसार तय करते हैं लेकिन अपनी सुविधा के लिए उनकी वर्षगांठ के लिये ग्रेगोरियन कैलेंडर पर निर्भर हो जाते हैं।

कठोपनिषद-12 (चतुर्थी वल्ली)

नेत्र, जीव्हा कर्ण नासिकादि
ज्ञानेंद्रियां बाहिर मुखवाली,
रूप रस शब्द गंधादि विषयों
को अनुभव करने वाली,
स्वाभाविक है बहिर्मुख
प्रवृतियों की ओर झुकना,
आत्मा विमुख वृत्तिवाला का
रुकना,
विरला ही कोई धीर पुरुष
अमृत की करे इच्छा,
बाहरी विषयों से हटाकर
इंद्रियां हो उसकी स्वेच्छा,
आत्म तत्व को अनुभव
करने वाला होता अंतर्मुख,
पा लेता ऐसा महान पुरुष
जीवन का हर सुख,
साधारण मनुष्य जिस ओर
होता लीन,
मुनि उसी विषय से होते हैं
उदासीन,
अज्ञानी लोग विषय वासना
भोगों के पीछे भागे,
बालबुद्धि क्षणिक सांसारिक
सुख ही रंग राचे,
अनेक विस्तृत बंधनों में
फंसकर लेते जन्म बारंबार,
क्षणभंगुर विषयों का नहीं
रहता कोई आधार।

क्रमशः

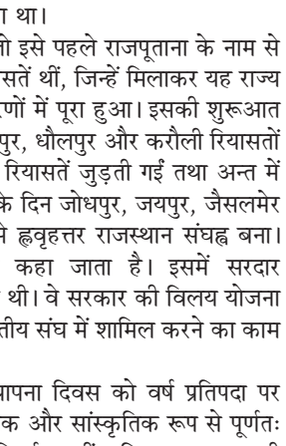

-डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

ऋषभ हैं सभ्यता और संस्कृति के पुरोधा

-ललित गर्ग-

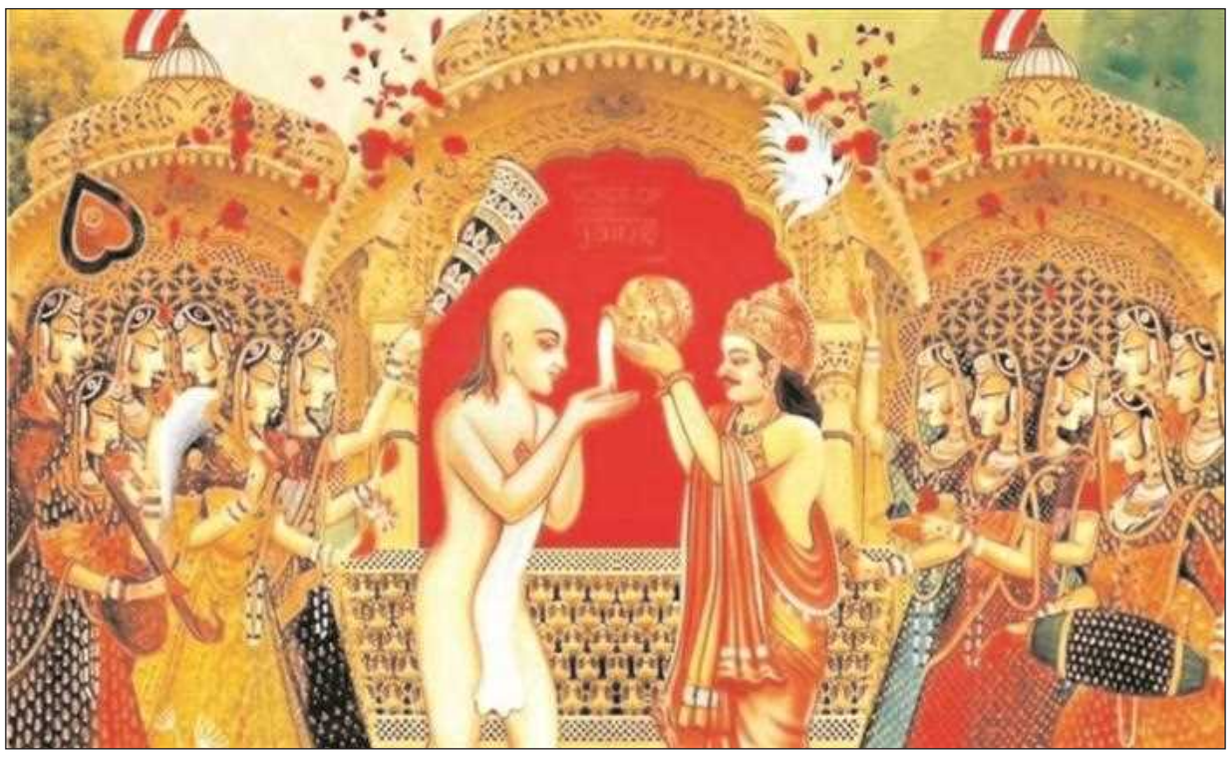

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ यानी भगवान ऋषभदेव विश्व संस्कृति के आदि पुरुष, आदि संस्कृति निमार्ता थे। वे प्रथम सम्राट और प्रथम धर्मतीर्थ के आद्य प्रणेता थे। उनकी निर्मल जीवनगाथा हजारों वर्षों से जनजीवन को प्रेरणा प्रदान करती रही है। जैन, बौद्ध और वैदिक परम्परा में ही नहीं, विश्व की अन्य संस्कृतियों में भी उनकी यशोगाथा गायी गई है। भगवान ऋषभदेव ने भारतीय संस्कृति में असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प रूपी जीवनशैली दी, आज हमारा जीवन उसी पर आधारित है। इन छह कर्मों के द्वारा उन्होंने जहां समाज को विकास का मार्ग सुझाया, वहीं अहिंसा, संयम और तप के उपदेश द्वारा समाज की आंतरिक चेतना को जगाया। उनकी जन्म जयन्ती कोरा आयोजनात्मक माध्यम न होकर एक प्रयोजनात्मक उपक्रम है, जिसमें हम भारतीय संस्कृति को दिये उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने जीवन को आदर्श बना सकते हैं।

भगवान ऋषभदेव वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर यानी जन्म मरण के चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष प्रदत्त करें। ऋषभदेव को ह्यआदिनाथह्व भी कहा जाता है। वे भगवान विष्णु के अवतार थे। जन-जन की आस्था के केन्द्र तीर्थंकर प्रभु ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में हुआ। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। वे जानते थे कि नहीं जानना बुरा नहीं मगर गलत जानना, गलत आचरण करना बुरा है। इसलिए उन्होंने सही और गलत को देखने, समझने, परखने की विवेकी आंख दी जिसे सम्यक् दृष्टि कहा जा सकता है। यह वह समय था जब भोगभूमि का काल पूर्ण होकर कर्मभूमि का काल प्रारंभ हो गया था। भोगभूमि में दस कल्पवृक्ष होते थे जो मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करते थे। मनुष्य को कोई काम नहीं करना पड़ता था। धीरे-धीरे काल के प्रभाव से यह कल्पवृक्ष लुप्त होते गए और मनुष्य के सामने भूख प्यास, गर्मी सर्दी और बीमारियों की समस्याएं आने लगी। प्रजा अपने राजा नाभिराय के पास गई और उपाय पूछा तो राजा ने प्रजा को युवराज ऋषभ के पास भेज दिया। युवराज ऋषभ ने संसारी रहते हुए प्रजाजनों को शस्त्र, लेखनी, विद्या, व्यापार, खेती एवं शिल्प इन छह कार्यों को करना सिखलाया। उन्होंने जनता को इन छह कार्य के द्वारा आजीविका पैदा करने के उपदेश दिए। इसीलिए वे युगकर्ता, सृष्टि के पालनहार और सृष्टि के ब्रह्मा कहलाए। इस रचना के द्वारा ऋषभदेव ने प्रजा का पालन किया। इसलिए उन्हें प्रजापति भी कहा गया।

महाराज नाभि के यहां ऋषभ रूपी दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह जन्म के समय ही दिखाई दिये। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जिसने भी देखा वह मोहित हो गया। बालक के जन्म के साथ महाराज नाभि के राज्य में सम्पूर्ण ऐश्वर्य, सुख-शांति एवं वैभवता परिव्याप्त हो गयी। नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इन्द्र को ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इन्द्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया। इन्द्र ने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी। ऋषभ के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये।

ऋषभ जब शासक बने, अनूठा थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। बाद में जब कभी बदलते परिवेश, पर्यावरण, परिस्थिति और वैयक्तिक विकास के कारण व्यवस्था में रुकावट आई, कहीं कुछ गलत हुआ, मनुष्य का मन बदला तो उस गलत कर्म के लिए इतना कह देना ही बड़ा दण्ड माना जाता कि ह्यहाय! तूने यह क्या किया?ह्व ह्यऐसा आगे मत करनाह्व, ह्यधिक्कार है तूने ऐसा कियाह्व ये हाकार, माकार और धिक्कार नीतियां अपराधों का नियमन करती रहीं। आज की तरह उस समय ऐसा नहीं था कि अपराधों के सच्चे गवाह और सच्चे सबूत मिल जाने के बाद भी अदालत उसे कटघरे में खड़ा कर अपराधी सिद्ध न कर सके। निर्दोष व्यक्ति न्याय पाने के लिए दर-दर भटके और अपराधी धड़ल्ले से शान-शौकत के साथ ऐशो आराम करे।

सत्ता के नाम पर युद्ध तो सदियों में होते रहे हैं मगर ऋषभ के राज वैभव छोड़कर संन्यस्त बन जाने के बाद सिंहासन के लिए भाई-भाई भरत बाहुबली में जो संघर्ष हुआ वह ऐतिहासिक प्रसंग भी आज के संदर्भ में एक सीख है। आज भी सत्ता और स्वार्थ का संघर्ष चलता है। सब लड़ते हैं पर देश के हित में कम, अपने हित में ज्यादा। लेकिन न तो आज ऋषभ के 98 पुत्रों की तरह समस्या के समाधान पाने की जिज्ञासा है कि हम किसको मुख्य मानकर उनसे अंतिम समाधान मांगे और न ही कोई ऐसा ऋषभ है जो अंतहीन समस्याओं के बीच सबको सामयिक संबोध दे। राज्य प्राप्ति के प्रश्न पर जब भरत बाहुबली के बीच अहं और आकांक्षा आ खड़ी हुई तो ऋषभ ने शस्त्र युद्ध को नकारा और आत्मयुद्ध की प्रेरणा दी, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है।

भगवान ऋषभदेव को सभ्यता और संस्कृति की विकास यात्रा का प्रणेता माना जाता है, उनका अवतरण आदिम युग का परिष्कारक बना। वे पुरुषार्थ चतुष्टयी के पुरोधा थे। अर्थ और काम संसार की अनिवार्यता है तो धर्म और मोक्ष जीवन के चरम लक्ष्य तक पहुंचाने वाले सही रास्ते। उन्होंने प्रयोगधर्मा ऋषि बनकर जगत की भूमिका पर जीवन के बिखराव की व्यवस्था दी तो अध्यात्म के परिप्रेक्ष्य में धर्म की जीवंतता प्रस्तुत की। समाज व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। ऋषभ की दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है उस संवेदनशून्य व्यक्ति के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है। व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण ऋषभ की बुनियादी शिक्षा थी। ऋषभ ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना। राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं जबकि उन सबके अभाव में संत चेतना के पास अच्छाइयां और आदर्श चले आते हैं, क्योंकि उसके पास धर्म की ताकत, चरित्र की तेजस्विता है।

ऋषभ ने संसार और संन्यास दोनों की जीया। ये पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने कर्मबंध और कर्ममुक्ति का राज प्रकट किया। वे संन्यस्त होकर वर्ष भर भूखे-प्यासे घूमते रहे। प्रतिदिन शुद्ध आहार की गवेषणा करते रहे। यह जानते हुए भी कि भूख और प्यास मेरी कर्मजनित नियति है। यह पुरुषार्थ उनकी सहिष्णुता, समता, संयम और संकल्प की पराकाष्ठा का सबूत था। वर्ष भर के तप की पूर्णाहुति जब राजकुमार श्रेयांस द्वारा दिए गए इक्षु रस के सुपात्र दान से हुई तो वह दिन, वह दान, वह दाता, वह तप अक्षय बन गया। भावशुद्धि की प्रकर्षता का वह क्षण सबके लिए प्रेरणा बन गया और उसे अक्षय तृतीया पर्व के रूप में जैन धर्म के अनुयायी एक वर्ष की तपस्या करके मनाते है। प्रेषकः

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486, 9811051133

ब्रिटिश हुकूमत को खुली चुनौती देने वाले डॉ. राम मनोहर लोहिया

- सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

डॉ. राम मनोहर लोहिया भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन महानायकों में से एक थे जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के सामने निर्भीकता और साहस के साथ अपनी आवाज बुलंद की। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक प्रखर समाजवादी विचारक और कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। उन्होंने समाजवाद के प्रचार-प्रसार और जातिवाद, ऊँच-नीच तथा धार्मिक भेदभाव से मुक्त भारत का सपना देखा। उनका मानना था कि "सर्वजन समभाव" की भावना से ओतप्रोत समाज ही सही मायने में स्वतंत्र और समृद्ध हो सकता है।

डॉ. लोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के अकबरपुर के शहजादपुर मोहल्ले में हुआ था। उनके पिता हीरालाल लोहिया एक शिक्षित व्यक्ति थे और स्वतंत्रता संग्राम में भी सक्रिय थे, जिससे लोहिया जी को भी स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा बचपन से ही मिली। उन्होंने 1916 में अपनी प्राथमिक शिक्षा टंडन पाठशाला, अकबरपुर से प्राप्त की और बाद में विश्वेश्वरनाथ हाई स्कूल, अकबरपुर से माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय गए, जहाँ से उन्होंने बी.ए. किया और इसके बाद बर्लिन विश्वविद्यालय (जर्मनी) से अर्थशास्त्र में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

डॉ. लोहिया युवावस्था में ही ब्रिटिश शासन के अत्याचारों से व्यथित थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने प्रखर विचारों के कारण ब्रिटिश हुकूमत की आँखों में खटकने लगे। ब्रिटिश शासन की नीतियों और दमनकारी उपायों के खिलाफ उन्होंने लार्ड लिनलिथगो को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से उनके शासन की अमानवीयता को उजागर किया। लोहिया ने लिखा कि ब्रिटिश सरकार ने केवल "हजार से भी कम देशभक्तों को मारा" ऐसा कहकर सच्चाई को छुपाने की कोशिश की, जबकि वास्तविकता यह थी कि 50,000 से अधिक भारतीयों की हत्या ब्रिटिश शासन के हाथों हुई थी। उन्होंने यह भी चुनौती दी कि यदि उन्हें दो सप्ताह तक बिना पुलिस हस्तक्षेप के देशभर में घूमने दिया जाए, तो वे दस हजार से भी अधिक पीड़ित परिवारों की सूची प्रस्तुत कर सकते हैं।

डॉ. लोहिया महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित थे और अहिंसक संघर्ष को ही स्वतंत्रता प्राप्ति का सर्वोत्तम मार्ग मानते थे। उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अंडरग्राउंड रहकर आंदोलन को संगठित करने का कार्य कर रहे थे। उन्हें इस दौरान कई बार गिरफ्तार किया गया और कठोर यातनाएँ दी गईं, लेकिन वे अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा था कि यदि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम हिंसक होता, तो ब्रिटिश सेना भारतीय और अंग्रेज सैनिकों के बीच विभाजित हो जाती और तब भारत की स्वतंत्रता का मार्ग और भी सुलभ हो सकता था। किंतु उन्होंने हमेशा गांधीवादी मार्ग को ही उचित माना।

आजाद भारत और समाजवाद

भारत की स्वतंत्रता के बाद डॉ. लोहिया ने अपने समाजवादी विचारों को मजबूत करने के लिए कार्य किया। वे एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहाँ सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और राजनीतिक स्वतंत्रता सभी को समान रूप से प्राप्त हो। उनका मानना था कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से ही देश का विकास संभव नहीं है, बल्कि समाज में आर्थिक और सामाजिक समानता भी आवश्यक है।

डॉ. लोहिया ने विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर बल दिया:

1. जातिप्रथा का उन्मूलन ह्न वे जातिवाद के कट्टर विरोधी थे और समाज में समरसता स्थापित करना चाहते थे।
2. नारी सशक्तिकरण ह्न वे महिलाओं के अधिकारों के प्रबल समर्थक थे और उन्हें राजनीति में अधिक भागीदारी देने के पक्षधर थे।

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

ललित गर्ग

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ह्वग्लेशियर संरक्षणह्व, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है।

दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं।

देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो।

सीडीएलयू में संस्कृत भाषा कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 23 मार्च। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय भाषा कार्यशाला के दूसरे दिन विभाग के प्रध्यापक एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश के मार्गदर्शन में कार्यशाला में मुख्य शिक्षक के रूप में नवीन कौशल ने प्रतिभगियों को ट्रेनिंग दी। उन्होंने अभिनव शिक्षण विधियों का उपयोग करते हुए खेल-खेल में संस्कृत सिखाने की तकनीक अपनाई, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह और रुचि बढ़ी। उनकी अनूठी शिक्षण शैली ने छात्रों को प्रेरित किया और संस्कृत को सीखना अधिक सरल और आनंददायक बना दिया। कार्यशाला के दौरान संस्कृत व्याकरण, साहित्य और संवाद कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया। दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस के डीन प्रो. सत्यवान दलाल ने संस्कृत को अनुशासन और चरित्र निर्माण का प्रतीक मानते हुए इसके अध्ययन के लाभों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए शिक्षा को रामबाण बताया। इससे पूर्व मास कम्युनिकेशन विभाग के फैकल्टी मेंबर डॉ. अमित सांगवान ने संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक भाषा ही नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की संवाहक भी है। उन्होंने संस्कृत को जीवन के लक्ष्यों का मूल आधार बताते हुए इसके अध्ययन को आवश्यक करार दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के दिशा निर्देशन में इस तरह की कार्यशालाए अथवा विस्तार व्याख्यानों का आयोजन लगभग सभी विभागों में हो रहा है ताकि युवाओं की एनर्जी को चैनलइज किया जा सके। विभाग के चेयरमैन डॉ. रविंद्र ने द्वितीय दिवस के समापन पर सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कार्यशाला की सफलता के लिए सभी के सहयोग की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शहीदी दिवस पर निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 23 मार्च। डबवाली के कॉलोनी रोड स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में रविवार को शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग सिरसा की ओर से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ उपस्थित चिकित्सकों ने वैद्य धनवंतरि के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करके की। शिविर में आयुर्वेदिक व होम्योपैथी पद्धति द्वारा 219 मरीजों की जांच की गई और दवाइयां निशुल्क दी गई। शिविर में डॉ. लोकेश्वर वधवा, डॉ. अनीता सपरा, डॉ. सुरेंद्र नागर, डॉ. हेमा राम, डॉ. नेहा, डॉ. संगीता सचदेवा व डॉ. जैस्मिन द्वारा लोगों को निशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राज कुमार गंडा ने बताया कि आयुष विभाग का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में श्रेष्ठ चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। जिससे लोगों को अधिक से अधिक आयुष चिकित्सा की सुविधा प्रदान हो सके। शिविर में स्वास्थ्य जांच में पाया गया कि महिलाओं और पुरुषों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी क्रॉनिक बीमारियों के मरीज ज्यादा मिल रहे हैं। मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से बचने के लिए अनेक प्रकार के आहार विहार के बारे में बताया गया। इस शिविर में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट राजेश, कमल, जगजीत सिंह, गगन, रविंद्र, संदीप, संजय, सुनीता, सुरेंद्र कुमारी और जसकरण सिंह ने शुगर जांच की और दवाईयां वितरित की। शिविर में योग सहायक फूलकंवर, कुलविंदर, रमेश कुमार, अनीता देवी, हरीश कुमार, इंद्रजीत सिंह, तरसेम सिंह, प्रवीण कुमार ने रजिस्ट्रेशन व खून जांच और दवाइयों के वितरण में सहयोग किया। योग इंस्ट्रक्टर हरजीत सिंह व राजिंदर सिंह स्कूल इंचार्ज, रश्मि व अन्य स्टॉफ ने शिविर में बढ़ चढकर सहयोग किया।

' युवा वर्ग देश का भविष्य और देश निमार्ता'

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। युवा वर्ग देश का भविष्य और देश निमार्ता है। जिस देश के युवा के अंदर आध्यात्मिक, नैतिक मूल्य और चरित्र महान होगा, वही देश महान होगा-इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय कुरुक्षेत्र सेवा केंद्र में युवाओं के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय-मन की शांति, मधुर बोल और मधुर संबंधों द्वारा आंतरिक परिवर्तन कैसे संभव है? बी के मधु बहन ने मंच संचालन करते हुए मुख्य वक्ता कला एवं संस्कृति प्रभाग की चेयरपर्सन और वॉइस चेयरपर्सन आफ यूथ विंग राज योगिनी ब्रह्माकुमारी चंद्रिका दीदी जो अहमदाबाद से पधारी, उनका परिचय दिया। पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा मुख्य अतिथि, एनआईटी के डायरेक्टर डॉ बी.वी रमना रेड्डी विशिष्ट अतिथि, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉक्टर वीरेंद्र पाल विशेष अतिथि और केंद्र प्रभारी राज योगिनी ब्रह्माकुमारी सरोज बहन कार्यक्रम की संयोजिका रही। बी .के राधा बहन और बी. के भारती बहन ने पटका पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर मंचासीन महानुभावों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व परिवर्तन की है ये बेला, ये जग बदलने वाला है-राजयोग का मार्ग यही है-गीत की धुन पर दीप प्रज्वलित किया गया। ब्रह्माकुमारी गोरी ने अपनी खुशी का किस तरह इजहार करूं गीत की स्वर लहरी के साथ स्वागत नृत्य किया। मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चंद्रिका दीदी ने कहा कि आप सब से मिलने का बहुत अरमान था, पूरे भारत की सेवाओं के लिए तो बहुत भ्रमण किया परंतु हरियाणा में कम आना हुआ। उन्होंने अपने जीवन का अनुभव सांझा करते हुए बताया कि मुझे ईश्वर की प्राप्ति कैसे हुई? मैंने जीवन के दो लक्ष्य बनाए-पहला शादी नहीं करूंगी और दूसरा अपने जीवन को ईश्वरीय सेवा में समर्पित करूंगी। मेरी दोनों इच्छाएं पूर्ण हुई। मैं अपने जीवन को पूरे ब्रह्मांड की संपत्ति मानती हूं, मैं ब्रह्मांड को जो देती हूं, वह कई गुना होकर मुझे मिलता है। एनआईटी के डायरेक्टर डॉक्टर बी. वी रमना रेड्डी ने कहा कि हमें कैसे अपने जीवन को अपने तरीके से आगे बढ़ाना है। तनावपूर्ण समाज में अपनी खूबियों को स्वयं समझना और कैसे निभाना है-यह शायद विद्या प्रणाली में खो दिया है। एनआईटी में बनी थॉट लैब का परिचय देते हुए कहा कि हमारे बच्चों के आध्यात्मिक व्यक्तित्व विकास के लिए थॉट लैब बनी है, जिसमें हर वर्ष 300 नए छात्र इस विषय को लेते हैं। हमारे यहां ऐसा वातावरण बन गया है कि कोई भी तनाव में ना रहे।

दक्षिण हरियाणा क्षेत्र में पर्याप्त नहरी पानी मिले तो किसानों का जीवन हो सकता है खुशहाल

गिरता भू-जल स्तर किसानों के माथे पर खींच रहा है चिंता की लकीरें

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सतनाली, 23 मार्च। दक्षिण हरियाणा के अंतिम छोर पर बसे अर्ध मरुस्थलीय विशेषताओं से युक्त महेंद्रगढ़, सतनाली, नांगल चौधरी क्षेत्र में नहरी पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होने से यहां भूमिगत जलस्तर निरंतर गिरता जा रहा है। इन क्षेत्रों में खेती वर्षा और कृत्रिम सिंचाई पर आश्रित है परंतु गत बीस वर्षों की बात की जाए तो भू-जल स्तर इतना गहरा गया है कि अब तो कृत्रिम सिंचाई की संभावनाएं भी समाप्त होती आ रही हैं ऐसे में किसानों के माथे पर गिरते भू-जल स्तर को लेकर चिंता की लकीरें देखी जा सकती हैं। हरियाणा निमार्ता कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. बंसीलाल ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की थी परंतु क्षेत्र की नहरों को उस समय से ही पर्याप्त पानी मिला होता तो आज किसानों को ये दिन देखने नहीं पड़ते। बहरहाल भाजपा सरकार के प्रयासों से वर्ष 2015-

16 में क्षेत्र की नहरों का सुधारीकरण कार्य किया गया तथा इनमें उस समय पानी भी छोड़ा गया परंतु कुछ समय पश्चात वहीं हालात हो गए। करीब 9 वर्ष बाद अब भाजपा विधायक कंवर सिंह यादव के प्रयासों से सतनाली क्षेत्र की नहरों में पानी देखने को मिला है। इससे किसानों ने राहत की सांस ली है तथा उन्हें उम्मीद है कि अब भाजपा विधायक के प्रयासों से उन्हें नहरी पानी मिलना सुनिश्चित होगा। किसानों ने बताया कि सतनाली क्षेत्र के गांव डिगरोता, मांडोला, नांगल माला, सुरेहती, माधोगढ़, बास, सोहड़ी, नांवा, जड़वा, श्यामपुरा सहित लगभग गांवों में भू-जल स्तर काफी गहरा गया है। यहां के किसानों का कहना है कि भू-जल स्तर 450 से 500 फीट तक गहरा हो गया है जिसका कारण पर्याप्त मात्रा में बरसात का नहीं होना और नहरी पानी की कमी रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को नहरों में पर्याप्त मात्रा में पानी क्षेत्र को देना होगा व गांवों के तालाबों को पाईप लाईन से नहरी पानी देकर भी जल स्तर को उठाने के लिए सकारात्मक प्रयास करने होंगे। किसानों ने बताया कि भाजपा शासनकाल में सतनाली क्षेत्र की नहरों में पानी पहुंचाने के प्रयास तो किए गए है परंतु पर्याप्त पानी न आने से क्षेत्र की रेतीली प्यासी भूमि की प्यास नहीं बुझ पा रही है। ऐसे में किसानों को कृत्रिम सिंचाई ही करनी पड़ रही है। वहीं गांवों में जोहड़ों को खुदवाकर उनकी साफ सफाई करवाई गई परंतु उनमें भी नहरी पानी का अभाव देखने को मिलता है।

राजस्थान सीमा से सटे गांव ढाणी से निकलकर बने डॉ. सुरेश भूरिया रक्तदान की मुहिम को दे रहे हैं बढ़ावा

करीब 200 युवाओं की टीम रक्तदान के लिए सदैव है तत्पर

अमित वालिया,लोहारू

एक चिकित्सक बनना अपने आप में गौरव की बात होती है परंतु जब विषम परिस्थितियों से लड़ते हुए इस मुकाम को हासिल करना और उसके बाद युवाओं में रक्तदान की भावना को जागृत करना और भी सम्मान की बात हो जाती है। एक ऐसे ही शख्स डॉ. सुरेश भूरिया हैं जिन्होंने विषम परिस्थितियों से लड़ते हुए वर्ष 2006 में पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान पीजीआईएमएस रोहतक से एमबीबीएस किया और उसके बाद से पीजी कर अपने क्षेत्र के साथ-साथ अपने गांव का नाम रोशन किया वह भी तब जब गांव में डॉक्टर बनने की सोच तक नहीं सकता था। आज डॉ. सुरेश भूरिया गांव के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं उनकी प्रेरणा पाकर दर्जनभर के करीब लडके और लड़कियां नीट की तैयारी में जुटे हुए हैं वहीं एक छात्र ने एमबीबीएस कर लिया और दो छात्र एमबीबीएस कर रहे हैं। डॉ. सुरेश भूरिया ने बताया कि पिता स्व. सोहन लाल भूरिया राजस्थान में बिजली विभाग में एईएन के पद पर कार्यरत थे। उनका सपना था कि उसका बेटा एक बेहतरीन चिकित्सक बनकर समाज सेवा कर सके। इसके लिए उन्होंने पीएमटी की तैयारी करवाई और वर्ष 2000 में उनका स्टेट कोटे से पंडित भगवत

दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान पीजीआईएमएस रोहतक में एडमिशन हुआ। वर्ष 2006 में एमबीबीएस करने के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय एंड साइंस अजमेर से ऑर्थो डिस्क में मास्टर डिग्री प्राप्त की इसके बाद वे अपने पिता की बताई हुई बात समाज सेवा के लिए जुट गए। डॉ. सुरेश भूरिया ने पीजीआई रोहतक प्रोफेसर भी रह चुके हैं और उन्होंने अपने प्रैक्टिस कार्यकाल के दौरान देखा कि बहुत से ऐसे मरीजों को समय पर ब्लड नहीं मिलने के कारण अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है। इसके बाद उन्होंने रक्तदान शिविर आयोजित करने की ठानी और सबसे पहला कैंप अपने ही गांव रहीमपुर में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित किया जिसके 155 युवाओं ने रक्तदान में भाग लिया। इसके बाद से अब तक उन्होंने 7 से अधिक रक्तदान शिविर लगाकर युवाओं की एक टीम बनाकर जरूरतमंदों को रक्त मुहैया करवा रहे हैं। डॉ. सुरेश भूरिया से इंस्पायर गांव के बच्चे नीट की तैयारी में जुटे हुए हैं और उनकी प्रेरणा पाकर दर्जनभर के करीब लडके और लड़कियां नीट की तैयारी में जुटे हुए हैं वहीं एक छात्र ने एमबीबीएस कर लिया और दो छात्र एमबीबीएस कर रहे हैं।

डॉ. सुरेश भूरिया ने बताया कि उनके जीवन के मकसद साफ है कि गांव के बच्चों को अधिक से अधिक चिकित्सका के क्षेत्र में ले जाना है। इसके लिए स्वयं वे वर्ष में दो बार गांव आकर बच्चों को प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो गरीबी मैंने देखी है मेरा सपना है कि उस गरीबी को और बच्चे ना देखें। रक्तदान को लेकर उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति शहरी इलाकों से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र में आज भी डर का माहौल है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग खून देने से कमजोरी और बीमारियों के डर से अपने करीबी लोगों को भी रक्तदान करने से घबराते हैं। लेकिन डॉ. सुरेश भूरिया ने ग्रामीण क्षेत्र में रक्तदान और रक्तदान के प्रति जागरूकता की मुहिम छेड़ी है जो रंग भी ला रही है। उनका मानना है कि किसी भी सुधार की शुरूआत घर से फिर गांव से होती है इसलिए उनका प्रयास है कि गांव के अधिक से अधिक युवाओं को इस मुहिम से जुड़ जाए और इसके साथ-साथ युवाओं को नशे जैसी बुरी आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए।

डॉ. सुरेश भूरिया का मानना है कि शहरी क्षेत्र में तो रक्तदान के लिए ज्यादा समस्या नहीं आती है. ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के मन में रक्तदान को लेकर तरह-तरह की भ्रांतिया हैं। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करना कठिन काम था, लेकिन हम कुछ लोगों ने मिलकर लोगों को जागरूक करने का काम किया और आज कम से कम उनके गांव रहीमपुर में जागरूकता आई है और करीब 200 से अधिक युवा आगे बढकर रक्तदान कर रहे हैं।

'देश भक्तों के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता'

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार व श्रीकृष्ण इंस्टिट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व श्रीकृष्ण पॉलिटेक्निक के संयुक्त तत्वावधान में शहीदी दिवस के उपलक्ष में सादगी पूर्ण और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को भारत सरकार के उपक्रम नेहरू युवा केंद्र, कुरुक्षेत्र जिले के संयोजन के साथ आयोजित किया गया। नेहरू युवा केंद्र से किरण, प्राची ने इस कार्यक्रम में अध्यक्षता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कॉलेज के चेयरमैन संजय बंसल ने कहा कि शहीदों के बिना भारत की आजादी के बारे में बात करना और सोचना बहुत ही मुश्किल होता। इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर डी.डी. शर्मा ने कहा कि 23 मार्च को हर साल शहीदी दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें विशेष रूप से अमर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को याद किया जाता है उनके बलिदान को सराहा जाता है और सर झुका कर उन्हें नमन किया जाता है। छात्र सिमरन प्रीत सिंह ने कहा कि ऐसे देश भक्तों के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। सच्चाई और संघर्ष के रास्ते पर चलने का अवसर प्राप्त होता है और सफलता की तरफ भविष्य में देखा जा सकता है।

भावी पीढ़ी को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने की जरूरत : सुभाष सुधा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश प्रदेश की प्रगति के लिए भावी पीढ़ी को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने की जरूरत है। इस स्कूल में विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार दिए जा रहें हैं। इस शिक्षण संस्थान से दूसरी संस्थाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में सैंट थामस कांवेनेट स्कूल के वार्षिक उत्सव में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, स्कूल की एमडी अर्जलि मरवाह, जिला लोक संपर्क अधिकारी डॉ नरेंदर सिंह, सब डायरैक्टर कार्तिकेय मरवाह, संदीप मारवाह, प्रधान अध्यापिका आरती सूरी व सह संचालिका रजनी जैन, समाजसेवी पंकज अरोड़ा, उद्योगपति सुरेंदर धींगरा, संजीव छाबडा ने विधिवत रूप से इस वार्षिक उत्सव का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि ने स्कूल के होनहार विद्यार्थियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्कूल का एंथम तैयार करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया और सारथी योजना में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय कार्य करने वाले अभिषेक, सौरभ, विपिन, निशा, ज्योति व रेनू पंवार को पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने सम्मानित किया। अर्जलि मरवाह ने कहा कि उन्होंने स्कूल की शुरूआत वर्ष 2003 में 45 विद्यार्थियों के साथ की थी और अब इस स्कूल में 1500 से ज्यादा विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। प्रिंसिपल आरती सूरी ने मेहमानों, अभिवावकों का धन्यवाद किया स्कूल के बच्चो ने बड़े ही बेहतर ढंग से मंच का संचालन किया।

किसानों में फसल कटाई व निजी स्कूलों में दाखिलों के लिए मची भाग दौड़

-मजदूरी बढ़ी पर नहीं मिल रहे मजदूर, स्कूल संचालक घर घर दे रहे दस्तक

अमित वालिया, लोहारू

मौसम में बदलाव की संभावना व मजदूरों की अचानक बढ़ी मजदूरी ने किसानों को संशय में डाल दिया है तथा किसान दिन-रात एक करके फसल कटाई में जुटे हुए है। मौसम विभाग द्वारा भी मौसम के करवट लेने की चेतावनी के बाद क्षेत्र के गेहूं उत्पादक किसानों को एक बार फिर भारी चिंता में नजर आ रहे है। खेतों में पककर खड़ी सरसों की फसल की कटाई के लिए किसानों के समक्ष मानसिक व आर्थिक परेशानी उत्पन्न कर दी है। ऐसे में किसान जल्दी से जल्दी फसल की कटाई करने में जुट गए हैं। कम समय में अधिक काम करने के चक्कर में किसानों को मजबूरीवश मजदूर लगाकर फसल की कटाई करवानी पड़ रही है। किसान ओमप्रकाश, परमजीत, किशनलाल, सुरेंद्र सिंह, सुनील आदि ने बताया कि जब तक फसल घर नहीं पहुंच जाती, तब तक रिस्क ही रिस्क है। खेतों में अभी सरसों की 90 प्रतिशत फसल खेतों में है। कृषि विभाग के अधिकारियों की मानें तो अब बरसात, अधंड फसल के लिए

काफी नुकसानदायक है। खेतों में गेहूं की फसल भी पकाव की ओर है तथा ऐसे में तेज हवा व अधंड़ से गेहूं की बालियों में बने गेहूं झड़ जाएंगे तथा बरसात से फसल भीगने से दाने भी खराब होने का डर है। उन्होंने कहा कि गेहूं की फसल कटाई अभी शुरू नहीं हुई है तथा अगले सप्ताह में गेहूं की कटाई भी शुरू हो जाएगी।

बढ़ी मजदूरी पर नहीं मिल रहे हैं मजदूर

गत वर्ष की तुलना में अबकी बार मजदूरों ने भी अपनी मजदूरी बढ़ा दी है। मौसम के हाथों विवश किसानों को बढ़ी हुई मजदूरी पर भी मजदूर नहीं मिल रहे हैं। किसानों सुमेर सिंह, रघुबीर सिंह आदि ने बताया कि पहले मजदूर 450 से 500 रूपए में दिहाड़ी पर मिल जाते थे, लेकिन उन्होंने भी अपनी मजदूरी 100 से 150 रुपए तक बढ़ा दी है। इस कारण 8 घंटे के काम के बदले एक मजदूर को साढ़े 600 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं वहीं मजदूरों को घर से लाने व ले जाने की जिम्मेवारी भी किसान को उठानी पड़ रही है। ऐसे में बार-बार किसानों पर मार पड़ रही है।

स्कूल संचालकों ने दी किसानों के घर दस्तकः

किसान खेतों में फसलों की कटाई के काम में व्यस्त हो रहे है और निजी स्कूलों के संचालक व अध्यापक बच्चों के दाखिले के लिए उनके पीछे-पीछे घूम रहे है। किसानों की फसल की कटाई को लेकर मारामारी शुरू हो गई है, वहीं गुरूजनों की बच्चों के दाखिले को लेकर भाग-दौड़ जारी है।

बदलते मौसम के मिजाज से चिंतित किसान फसल कटाई के लिए दिन-रात एक कर रहे है। वहीं निजी स्कूल मालिक अपने स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में बच्चों के दाखिले के लिए देर रात तक किसानों के चक्कर काट रहे है, उन्हे डर है कि कहीं दूसरे स्कूल वाले बाजी न मार जाएं। देर रात किसान हारे-थके सोना चाहते है, लेकिन उनकी नींद में खलल डालने के लिए कोई न कोई गुरूजन टपक ही पड़ता है। एक ओर जहां फसल की कटाई का काम चल रहा है, वहीं बच्चों के नए दाखिले को लेकर स्कूलों में प्रतिस्पर्धा का दौर जोर पकड़ रहा है।

कृषि को व्यवसाय, किसानों को उद्यमी बनाकर पूरा होगा विकसित भारत का संकल्प : नवीन जिंदल

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। सांसद नवीन जिन्दल ने आज लोकसभा में भारतीय किसानों को एग्री-उद्यमी बनाने और कृषि को एक लाभदायक एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को ध्यान में रखते हुए, सांसद नवीन जिन्दल ने नीतिगत सुधारों, आधुनिकीकरण और वैश्विक व्यापार विस्तार का आह्वान किया ताकि भारतीय कृषि अंतर्राष्ट्रीय

मानकों को पूरा कर सके और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित हो। कृषि परिवर्तन के पांच स्तंभ सांसद नवीन जिन्दल ने कृषि मूल्य श्रृंखला के संपूर्ण विकास के लिए एक संरचित पाँच-स्तंभीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

उन्होंने उत्पादन तकनीक, उच्च उत्पादकता वाली फसलें और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के माध्यम से कृषि उत्पादन बढ़ाना पर जोर दिया। भंडारण के लिए आधुनिक कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसिंग और अनाज भंडारण केंद्र विकसित करना, जिससे कटाई के बाद होने वाले नुकसान को रोका जा सके। परिवहन के लिए ग्रामीण सडकों, लॉजिस्टिक्स और रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ करना ताकि आपूर्ति श्रृंखला अधिक प्रभावी हो।

खुदरा के लिए किसानों को सीधा बाजार से जोड़ना, डिजिटल प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देना और उचित मूल्य निर्धारण नीतियों को लागू करना ताकि बिचौलियों की भूमिका कम हो। उपभोक्ता के लिए सुनिश्चित करना कि उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती कृषि उत्पाद हर घर तक सुचारू रूप से पहुंचें।

साइबर फ्रॉड के बारे के एसपी में ने किया जागरूक

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 23 मार्च। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने साइबर फ्रॉड के बारे में लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि आज के इस तकनीकी युग में साइबर क्राइम एक चिंता का विषय है। डिजिटलाजेशन के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति इंटरनेट पर निर्भर हो गया है, इसलिए इंटरनेट तकनीक की बढ़ती उपयोगिता के कारण साइबर ठगी के मामले भी बढ़ रहे है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यूजर्स की नासमझी व लापरवाही के कारण लोग

अक्सर साइबर ठगों के जाल में फंसकर अपनी जिंदगी भर की जमा पूंजी गंवा बैठते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी अब लोगों को ठगने के लिए डिजिटल अरेस्ट को अपना हथियार बना रहे है। एसपी ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट वॉट्सऐप कॉल पर की जाने वाली ब्लैकमेलिंग है, जिसमें पुलिस की वर्दी पहनकर या सरकारी विभाग का अधिकारी जैसा बैकग्राउंड तैयार कर साइबर ठग लोगों को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर ठग लोगों को वॉट्सएप के जरिए यकीन दिलाते हैं कि उनके या उनके किसी रिश्तेदार के साथ कुछ बुरा हो चुका है या होने वाला है। चूंकि सामने बैठा श स पुलिस की वर्दी में होता है तो अधिकांश लोग डर जाते हैं। इसके बाद उनके जाल में फंसते चले जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट में साइबर ठगों का सबसे बड़ा हथियार वॉट्सऐप है। वॉट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए ही वह लोगों को अपना शिकार बनाते हैं।

शहीदों की बदौलत ही हम ले रहे है आजादी की खुली सांस : अमरेंद्र सिंह खारा

कहा : शहीद हमारे देश की अनमोल धरोहर

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 23 मार्च। सीवन के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, प्रमुख समाजसेवी व सीवन अनाज मंडी एसोसिएशन के पूर्व प्रधान अमरेंद्र सिंह खारा ने कहा कि शहीद हमारे देश की अनमोल धरोहर है और शहीदों की शहादत की बदौलत ही हम आजादी की खुली सांस ले रहे है। नई अनाज मंडी सीवन में अपने प्रतिष्ठान पर एक भेंटवार्ता में बातचीत करते हुए अमरेंद्र सिंह खारा ने महान क्रांतिकारी अमर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शहीद सुखदेव व शहीद राजगुरु के
शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि हमें शहीदों के दिखाए मार्ग पर

चलते हुए उनके आदर्शों व नीतियों को जीवन में ग्रहण कर देश व समाजहित के कार्यों में अपना सहयोग करना
चाहिए। देश को गुलामी की जंजीरों से आजाद करवाने में हमारी मातृभूमि के वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुतियां दी है। हमें अपने बच्चों को भी शहीदों व महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष व शहादत से परिचित
करवाते हुए बच्चों में देश भक्ति की भावना जागृत करनी चाहिए, क्योंकि देश व समाजसेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। प्रमुख समाजसेवी अमरेंद्र खारा ने कहा कि शहीदों के बलिदान और कुबार्नी के कारण ही आज हमारा अस्तित्व कायम है, इसलिए हमें महान शहीदों के बलिदान व कुबार्नी को कभी नहीं भूलना चाहिए। शहीदों का सम्मान करें और बच्चों को भी शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि शहीद हमारे देश की आन-बान-शान है और शहीदों की शहादत को हमें प्रतिदिन याद कर नमन करना चाहिए। यही हमारी शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह का निधन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 23 मार्च। चैहड़ खुर्द के पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 72 वर्ष के और अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। दिवंगत पूर्व सरपंच युवा समाजसेवी प्रदीप चैहड़िया व सिंचाई विभाग कर्मचारी मनोज के पिता थे। उनके निधन पर क्षेत्र के राजनितिज्ञ, पंचायत राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, समाज सेवी संस्थाओं के लोग तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दिवंगत पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह को पूर्व विधायक चौधरी सोमवीर सिंह के अधिकतम कार्यकताओं में से एक थे। पूर्व सरपंच के निधन पर पूर्व वित्त मंत्री जेपी दलाल, पूर्व विधायक चौ. सोमवीर सिंह,मा. धर्मपाल ओबरा, ओमप्रकाश बड़वा, पूर्व डीटीओ द्वारका प्रसाद शर्मा, पूर्व शिक्षा अधिकारी करण सिंह गोठड़ा, पूर्व कांग्रेस प्रधान प्रताप सिंह ओबरा, पूर्व अध्यक्ष मुख्तयार सिंह ढाणी टोडा, ईश्वर सिंह बिधनोई, कमल सिंह मान सहित अनेकों नेताओं व विभिन्न पार्टियों के कार्यकताओं ने शोक जताया है और उनके आवास गांव चैहड़ खुर्द शोक व्यक्त करने व शोकाकुल को सांत्वना देने वालों का तांता लगा है तथा परिजनों को ढांढस बंधा रहें हैं।

विभिन्न विभागों के कर्मचारीयों दी गई ट्रेनिंग का फाइनल एग्जाम पर्यवेक्षकों की देखरेख में संपन्न

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 23 मार्च। हरियाणा स्किल डेवलपमेंट मिशन (एचएसडीएम) द्वारा हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के तहत कस्बे श्रीश्याम इंस्टीट्यूट आफ कम्प्यूटर साइंस, बहल ट्रेनिंग सेंटर के द्वारा प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के
कर्मचारीयों दी गई ट्रेनिंग का फाइनल एग्जाम पर्यवेक्षकों की देखरेख में संपन्न हुआ। यह ट्रेनिंग हरियाणा नालेज कारपोरेशन लिमिटेड (एचकेसीएल) के सेंटर श्रीश्याम इंस्टीट्यूट आफ कंप्यूटर साइंस बहल में संपन्न हुई। सेन्टर संचालक बंसी भोल्याण ने बताया इस ट्रेनिंग बैंच में बैंक क्लर्क जन स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा विद्युत निगम व अन्य विभाग के एचकेआरएन कर्मचारियों को कंप्यूटर के माध्यम से कोर्स कराया गया। यह ट्रेनिंग प्रथक बैच बनाकर चलाई गई थी। संपन्न परीक्षा में जिला कौशल समन्वय अधिकारी जोया पूनिया, संचालन बंसी भोल्याण, ट्रेनर रूबी खान, नेहा सिंघल, संजु श्योराण आदि मौजूद रहे।

लिवासा अस्पताल, मोहाली ने टीबी के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए 60-दिवसीय अभियान शुरू किया

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 23 मार्च। लिवासा अस्पताल, मोहाली ने 60-दिवसीय जागरूकता अभियान के माध्यम से टीबी (टीबी) से लड़ने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है, जहाँ इसके विशेषज्ञों की टीम अस्पताल में रियायती कीमतों पर टीबी रोगियों की जाँच करेगी और स्क्रीनिंग शिविरों और स्वास्थ्य वार्ता के माध्यम से समुदायों में जागरूकता पैदा करेगी। इस अभियान का उद्देश्य शीघ्र पहचान में तेजी लाना, नए संक्रमणों को रोकना और समय पर सूचना को प्रोत्साहित करना है, जिसे विश्व टीबी दिवस के अवसर पर शुरू किया गया है, जिसे 24 मार्च 2025 को मनाया जाता है। जागरूकता अभियान 24 मार्च से शुरू होगा और 31 मई 2025 तक जारी रहेगा।

टीबी एक प्राचीन बीमारी है जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होती है। कुपोषण और खराब स्वच्छता के अलावा खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति और नागरिक परिस्थितियाँ अव्यक्त टीबी संक्रमण के लिए जोखिम कारक हैं। बीसीजी वैक्सीन का इस्तेमाल आमतौर पर बचपन में टीबी के गंभीर रूपों से बचाने के लिए किया जाता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ इसकी प्रभावशीलता कम होती जाती है। लेटेंट टीबी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, खासकर वृद्ध आबादी के बीच। लिवासा हॉस्पिटल्स के निदेशक और सीईओ डॉ. पवन कुमार ने कहा, तपेदिक प्रबंधन के लिए हमारे दृष्टिकोण में रणनीतिक बदलावों को लागू करने से हमारे समुदायों को महत्वपूर्ण लाभ मिल सकता है। अभिनव समाधानों को अपनाने और व्यापक स्वास्थ्य सेवा रणनीतियों में निवेश करके, हम प्रभावी रूप से टीबी की घटनाओं को कम कर सकते हैं और समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं। यह हमारे लिए एक साथ आने और एक स्थायी प्रभाव बनाने का एक महत्वपूर्ण क्षण है। एक समग्र प्रबंधन दृष्टिकोण जो हितधारक जुड़ाव, कुशल संसाधन आवंटन और मजबूत नीति वकालत को प्राथमिकता देता है, टीबी के स्थायी नियंत्रण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। लिवासा अस्पताल में पल्मोनरी मेडिसिन विभाग की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सोनल ने कहा, वर्ष 2000 से टीबी के लिए नए निदान और दवाएं सामने आई हैं, जिनमें बेडाक्विलाइन, डेलामैनिड और टेक्सोबैक्टिन शामिल हैं। इन प्रगतियों ने टीबी की घटनाओं में कमी लाने में योगदान दिया है।

एनएचएआई और अमृता अस्पताल ने सर सलामत तो घर सलामत अभियान के अंतर्गत व्यापक आपातकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

फरीदाबाद/नई दिल्ली, 23 मार्च। भारत वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली सर्वाधिक मृत्यु का साक्षी है, जहां प्रतिवर्ष लगभग 1.78 लाख लोग अपनी जान गंवाते हैं। इस चिंताजनक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने विश्व सिर पर चोट जागरूकता दिवस (20 मार्च) के अवसर पर अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के साथ एक दीर्घकालिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के अंतर्गत ह्यसर सलामत तो घर सलामतह्न नामक एक राष्ट्रव्यापी पॉली ट्रॉमा जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है, जिसके माध्यम से एनएचएआई (NHAI) के एम्बुलेंस स्टाफ, निजी एम्बुलेंस सेवा प्रदाताओं एवं हरियाणा पुलिस के गश्ती वाहनों को आपातकालीन प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के बाद त्वरित और प्रभावी प्राथमिक चिकित्सा सुनिश्चित करना है, जिससे अमूल्य जीवनों की रक्षा की जा सके।

अभियान के तहत, 23 मार्च को अमृता अस्पताल में न्यूरो-एनेस्थीसिया एवं न्यूरोक्रिटिकल केयर के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. गौरव कक्कड़ द्वारा 50 से अधिक एम्बुलेंस कर्मियों को वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यह एक व्यापक प्रशिक्षण अभियान का आरंभिक चरण है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक तीन माह में नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर एक जागरूकता बाइक रैली का भी आयोजन किया गया।

यह प्रयास भारत सरकार की स्टॉकहोम घोषणा के अंतर्गत वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में 50% की कमी लाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

श्री अजय टम्टा, राज्य मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, ने कहा, दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सरकार शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन चिकित्सा इन चार स्तंभों पर केंद्रित समग्र रणनीति के साथ कार्य कर रही है।

अमृता अस्पताल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग इस लक्ष्य की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। एम्बुलेंस स्टाफ और पुलिस बल, ट्रॉमा प्रतिक्रिया में अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं, और उनका सशक्तिकरण जीवनरक्षा के लिए अनिवार्य है।

श्री मोहम्मद साफी, क्षेत्रीय अधिकारी इन दिल्ली, एनएचएआई, ने कहा, राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे देश में कुल सड़क दुर्घटनाओं के 39.2% के लिए उत्तरदायी हैं, जिनमें सर्वाधिक प्रभावित दोपहिया वाहन चालक हैं। इस चुनौती का समाधान तत्काल, कुशल और प्रशिक्षित आपातकालीन प्रतिक्रिया के माध्यम से ही संभव है। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से हम एम्बुलेंस कर्मियों को अत्याधुनिक ट्रॉमा देखभाल में प्रशिक्षित करेंगे, जिससे दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की जीवन रक्षा की संभावना बढ़ेगी।

स्वामी विजयामृतानंद पुरी, अमृता अस्पताल, ने कहा, सड़क सुरक्षा केवल अवसंरचना का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक जीवन को महत्व देने का दायित्व है। यदि दुर्घटना के पश्चात प्रथम घंटे में चिकित्सा मिल जाए, तो लगभग 50% मौतों को रोका जा सकता है। अमृता अस्पताल इस मिशन के अंतर्गत एम्बुलेंस कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। हमारी यह पहल पूरे देश में राजमार्गों पर त्वरि और सुसंगत आपातकालीन प्रतिक्रिया की नींव रखेगी।

शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 23 मार्च। शहीदी दिवस के अवसर पर आर्य समाज विकास ट्रस्ट बहल के द्वारा संचालित आर्य समाज बहल में भारत की स्वतंत्रता में योगदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने एवं उनके बलिदान को स्मरण करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्य समाज बहल में नियमित होने वाले आज के साप्ताहिक मुख्य रविवारीय यज्ञ के पश्चात आयोजित शहीदी दिवस के मुख्य अतिथि एनआरआई बजरंग लाल खन्ना रहे। यज्ञाचार्य के तौर पर अधिवक्ता अशोक सैनी ने संपन्न कराया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य रूप से शहिद ए आजम भगत सिंह, शिवराम हरि राजगुरु एवं सुखदेव थापर के द्वारा अल्पायु में दी गई। देश को अंग्रेजों से आजादी पाने के लिए कुबार्नी एवं स्वतंत्रता आंदोलन में अदम्य योगदान के लिए याद किया गया एवं भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई । बलबीर ठाकन ने इन शहीदों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने लाला लाजपत राय की मौत का बदला एडिशनल एसपी सांडर्स को मौत के घाट उतार कर ले लिया था। आर्य समाज विकास ट्रस्ट बहल के अध्यक्ष एवं संरक्षक आर्य समाज डा. एनपी गौड़ ने बताया कि इस अवसर पर कविता आर्य, आदित्य कुमार एवं धूप सिंह श्योराण ने भी अपने विचार रखे और कहा कि यह दिन चिंतन करने का है एवं इनकी शहादत से हम सबको देश की रक्षा के लिए अपनी जान तक देने के लिए तैयार रहना चाहिए। देश सर्वोपरि है। इस अवसर पर मुख्यातिथि से आर्यसमाज में एक ई लाइब्रेरी बनाने के लिए अनुरोध किया गया बजरंग खन्ना ने इस पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया । इस अवसर पर कोषाध्यक्ष बलवान सिंह आर्य, पुस्तकालय प्रभारी विनोद खन्ना, नर सिंह, अखाड़ा प्रभारी सिद्धार्थ उर्फ सिद्धू, आर्य ,डा.पूरन माणिकटला ,जयसिंह जांगड़ा, आशीष , तुलसी राम, दीपक चौधरी, सुशील, आशीष शर्मा ,पुरुषोत्तम सैनी, योगी शर्मा, बबीता आर्य, सतपाल नंबरदार, जयकुमार शर्मा , रणबीर बागड़ी, सुरेश गर्ग, मा.राकेश, मा. नरेंद्र व रमण आदि उपस्थित रहे।

वैश्विक मंच पर चमक रही बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर व विकास की गति:मंत्री मोतीलाल प्रसाद

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सोनीपत, 23 मार्च। बिहार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री मोती लाल प्रसाद ने कहा कि वैश्विक मंच पर बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर व विकास की गति चमक रही है। उन्होंने कहा कि बिहार ही वो राज्य है जहां पर देश की पहली यूनिवर्सिटी नालंदा स्थापित हुई और वहीं से देश में शिक्षा की शुरूआत हुई थी। इसके अलावा जहां पहले बिहार की पहचान गरीब राज्य के रूप में थी लेकिन आज उनकी पहचान विकास के रूप में है। आज केन्द्र व राज्य सरकार के सहयोग से विहार विकास के रास्ते पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

बिहार दिवस के उपलक्ष्य में कुण्डली स्थित एचएसआईआईडीसी सभागार में एक भारत श्रेष्ठद्द भारत स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के बिहार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री मोती लाल प्रसाद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान बिहार मंत्री मोती लाल प्रसाद ने कहा कि आज बिहार में सरकार द्वारा नए-नए उद्योगों को स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि वहां के लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सके। वहां उद्योग स्थापित करने के लिए एक सुरक्षित व पारदर्शी माहौल प्रदान किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा बड़े उद्योग बिहार में निवेश करें। उन्होंने हरियाणा के उद्योगपतियों से बिहार में निवेश करने का आद्वान भी किया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने उपस्थित बिहारवासियों को बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा के विकास में बिहार व बिहार के लोगों का अहम योगदान है। अन्होंने कहा कि आज राई क्षेत्र में बिहार से लाखों लोग यहां की कंपनियों में कार्य करते हैं जिससे इस क्षेत्र को उद्योग जगत में अलग पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि आज जो कार्यक्रम यहां किया जा रहा है उससे आपसी भाईचारे की भावना तो बढ़ती ही है इसके अलावा एक दूसरे की संस्कृति को भी जानने का मौका मिलता है।

महात्मा ज्योतिबा फुले हाल में मनाया शहीदी दिवस

शहीद भगत सिंह, राज गुरु व सुखेदव को श्रद्धांजलि दी

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 23 मार्च। आज महात्मा ज्योतिबा फुले हाल में समाजसेवी पालाराम सैनी ने अपने साथियों सहित शहीदी दिवस मनाया। सर्वप्रथम शहीद भगत सिंह, राज गुरु व सुखेदव को पुष्पांजलि देकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पाला राम सैनी ने शहीदों को को याद करते हुए कहा कि आज का

दिन शहीद भगत सिंह सुखदेव वह राजगुरु ने देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान देकर हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए। उनके इस बलिदान से आने वाली युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेकर देश की आजादी की लड़ाई में लड़ने के लिए प्रेरणा दी।

इस कार्यक्रम में उनके साथ तनुज नायक, संदीप, कुलवीर, अरुण, अमित, मोहित वर्मा, निशु बॉक्सर, शुभम टाक आदि उपस्थित रहे।

क्रिकेट में अपनी आल राउंड प्रतिभा दिखाने को तैयार युवा क्रिकेटर हार्दिक मोंगा

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 23 मार्च। क्रिकेट जगत में अपने बेहतरीन आल राउंड प्रदर्शन से खेल के मैदान में जल्द ही जलवे बिखेरने युवा क्रिकेट सितारे हार्दिक मोंगा तैयार हैं। उन्होंने विभिन्न जूनियर क्रिकेट
टूनार्मेंट में बैटिंग और बोलिंग से आल राउंड प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया है।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए हार्दिक मोंगा ने अपनी बात रखने से पहले यू टी सी ए प्रेसिडेंट संजय टण्डन का आभार जताया, जिनकी बदौलत आज ट्राईसिटी में क्रिकेट से युवा क्रिकेटर को प्रमोट किया जा रहा है। टी सी ए प्रेसिडेंट संजय टण्डन ने युवाओं को नशे और गलत संगत से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए न केवल गली क्रिकेट शुरू किया, बल्कि रणजी में भी चंडीगढ़ क्रिकेट टीम को मान्यता दिलाई। युवा उभरते सितारों को वो उच्च मुकाम तक पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे।

हार्दिक मोंगा ने आगे कहा कि वो अभी महज 18 साल के हैं और 12वीं कक्षा के पेपर दे रहे हैं। उन्होंने 8 साल की उम्र से क्रिकेट का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। 9वीं कक्षा से वो अपने स्कूल की क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे हैं। अपनी परफॉर्मेंस के दम पर उन्होंने अपने स्कूल को विभिन्न टूनार्मेंट में जीत भी दिलाई है। हार्दिक ने आगे बताया कि ट्राईसिटी की विभिन्न जूनियर क्रिकेट टूनार्मेंट में भी बॉलिंग और बैटिंग से अपनी प्रतिभा को पेश किया है। अगर सब सही चलता रहा तो वो जल्द ही सीनियर स्तर के क्रिकेट टूनार्मेंट में भी अपनी खेल प्रतिभा की छटा को बिखेरेंगे।

फोटो:07

::::::::::::::::::::::::

नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए निरंतर मुहीम,

पुराना रिकॉर्ड व गुप्त सुचना के आधार पर में सर्च ऑपरेशन तहत संदिग्ध घरो में की गई सघन जांच] आगे भी जारी रहेगा अभियान, नशा तस्करों की जगह सलाखों पीछे: एसपी राजेश कालिया

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 23 मार्च। नशा तस्करो की धरपकड़ व अन्य अपराधीक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए एसपी राजेश कालिया के निदेर्सानुसार डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। रविवार की सुबह एसएचओ थाना सीवन एसआई कुलदीप देशवाल, एसएचओ थाना गुहला एसआई रामपाल, एसएचओ ढांड इंस्पेक्टर राजेंद्र, एसएचओ तितरम एसआई कृष्ण व थाना शहर एसएचओ इंस्पेक्टर गीता की पुलिस टीमों द्वारा थाना ढांड, सीवन, गुहला, तितरम

व थाना शहर क्षेत्र में सर्च आपरेशन चलाया गया। जिसके तहत नशा तस्करो का पुराना रिकॉर्ड व गुप्त सुचना के आधार पर संदिग्ध घरो की जांच सहित अन्य जगह की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छीपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या अपराधीक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो।

एसपी राजेश कालिया ने बताया कि कैथल पुलिस लगातार नशा तस्करो का पुराना रिकॉर्ड खंगालकर व गुप्त सुचना के आधार पर निरंतर यह कार्रवाई कर रही है। इस अभियान में मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों और आपराधिक कार्यों में शामिल आरोपी जो गैर कानूनी तरीके से रह रहे हों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। नशा तस्करों की जगह सलाखों पीछे है। पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा तथा संदिग्ध नशा तस्करों की निरंतर मुहिम दौरान नियमानुसार कार्रवाई अतंर्गत तलाशी ली जाएगी।

गुरुकुल शिक्षा उत्सव में छठी कक्षा हेतु सैकड़ों बच्चों ने दी परीक्षा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। बच्चों को उत्तम शिक्षा के साथ-साथ उत्तम स्वास्थ्य और वैदिक संस्कारों से पोषित करना गुरुकुलीय शिक्षा के मुख्य उद्देश्य हैं और गुरुकुल कुरुक्षेत्र सहित गुरुकुल नीलोखेड़ी, गुरुकुल ज्योतिसर और आर्यकुलम् नीलोखेड़ी में छात्रों के जीवन-निर्माण हेतु इन्हीं बिन्दुओं पर कार्य किया रहा है। उक्त शब्द आज गुरुकुल शिक्षा उत्सव में छठी कक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा देने आए छात्रों के अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहे। इस अवसर वैदिक विद्वान् डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, गुरुकुल नीलोखेड़ी के जगदीश आर्य, गुरुकुल ज्योतिसर के शिवकुमार आर्य सहित अन्य महानुभाव मौजूद रहे। आचार्यश्री ने कहा कि आज टी.वी., मोबाइल, सोशल मीडिया अभिभावकों के लिए बड़ी समस्या बन गये हैं क्योंकि बच्चे दिनभर इनसे चिपके रहते है, पढ़ाई और फिजीकल एक्टीविटीज में उनकी रूचि लगातार कम होती जा रही है। बच्चों की दिनचर्या को बेहतर करने और उनके भविष्य को संवारने के लिए अधिकांश अभिभावक यह चाहते हैं कि उनके बच्चे का प्रवेश गुरुकुलों में हो जाए।

वाणिज्यिक स्थलों तथा सरकारी प्रॉपर्टी, रास्तों पर लोहे व स्टील के विज्ञापन फ्रेम व होर्डिंग लगाना गैरकानूनी

नगर परिषद ने 24 नागरिकों को थमाया नोटिस

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 23 मार्च। नगर परिषद क्षेत्र में वाणिज्यिक स्थलों (दुकान, होटल इत्यादि) पर लोहे व स्टील के विज्ञापन फ्रेम लगाकर उन पर स्वयं या दूसरों के लिए बैनर लगाकर प्रचार प्रसार करना गैरकानूनी है। इसी प्रकार शहर में सरकारी जगह पर यूनीपोल या लोहे के ढांचे बनाकर विज्ञापन लगाना, होर्डिंग, बैनर लगाकर प्रचार प्रसार करना भी नियमों के विरुद्ध है। ऐसा करने पर जुमार्ना व सजा का प्रावधान है। नगर परिषद ने ऐसे 24 मामलों में नागरिकों को नोटिस दिए हैं।

यह जानकारी देते हुए नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल ने बताया कि नारनौल नगर परिषद द्वारा पिछले दिनों शहर में एक सर्वे करवाया गया था। इस दौरान यह पाया गया कि लोगों द्वारा अपने वाणिज्यिक स्थलों पर लोहे व स्टील के विज्ञापन फ्रेम लगाकर स्वयं या दूसरों के लिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है । यह हरियाणा विज्ञापन नियम 2022 का उल्लंघन है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद द्वारा ऐसे 15 लोगों को 7 दिन का नोटिस देकर सूचित किया गया है कि इन अवैध फ्रेम को 7 दिन के अंदर-अंदर हटा लें अन्यथा इन सभी मामलों में हरियाणा विज्ञापन नियम 2022 के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

इसके अलावा जिन नागरिकों द्वारा शहर में सरकारी जगह पर यूनीपोल या लोहे के ढांचे बनाकर विज्ञापन लगाए हुए हैं या सरकारी खंभों व दीवारों पर होर्डिंग बैनर लगाकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है उनको हरियाणा डिफेंसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट 1989 के तहत ऐसे 9 नागरिकों को 14 दिन का नोटिस देकर सूचित किया गया है। इन सभी को इन अवैध यूनिपोल विज्ञापन फ्रेम, होर्डिंग बैनर इत्यादि को अपने स्तर पर हटाने को कहा गया है, अन्यथा इनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही करेगी। ऐसे मामलों में 6 माह की जेल अथवा 10 हजार रुपए का जुमार्ना या दोनों का प्रावधान है।

श्रीमहादेव गौशाला में कार्यक्रम 30 को

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। श्रीमहादेव गौशाला मे आम सभा की मीटिंग हुई। बैठक में नव वर्ष का पहला दिन पहला नवरात्र 30 मार्च 2025 दिन रविवार को मनाने बारे निर्णय लिया गया। प्रधान सुरेंद्र गोयल ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 11 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम के संयोजक नवीन गोयल ने बताया कि सुबह 11 से लेकर शाम के 6 तक गौ माता और नदी भगत का पूजन होगा जिसमें दो विद्वान पंडित आने वाले को भक्तों से पूजन करवाएंगे पूजन करने वाले गो भक्त गौ माता और नदी भगत को गुड खिलाएंगे एक विशेष प्रकार के लड्डू खिलाएंगे हरा चारा खिलाएंगे और हरा सलाद खिलाएंगे। कार्यक्रम के सह संयोजक गौरव गुप्ता ने बताया कि भक्तों का हरे चारे तथा अनाज का तुलादान भी इस कार्यक्रम में रहेगा और आने वाले गोभक्त कण्डे , तराजु पर बैठकर अपने वजन के बराबर हरा चारा तुलवाकर गौ माता को और नदी भगत को खिलाएगे। सह संयोजक गौरव कुमार लकी कुरुक्षेत्र के सभी मंदिरों पर और स्वर्ग धामों पर इस कार्यक्रम की सारी डिटेल की फ्लेक्स लगवाएंगे और धार्मिक और सनातनी जनता को इस कार्यक्रम की जानकारी पहुचाएंगे और आने वाले को भक्तों का चंदन का तिलक लगाकर उन्हें इलायची मिश्री खिलाकर गौशाला का पटका अंगवस्त्र भेंट करके स्वागत करेंगे। गौशाला के वरिष्ठ उप प्रधान सतीश शर्मा ने जानकारी दी कि सरदार तेजिंदर सिंह गोल्डी जिला अध्यक्ष भाजपा गौशाला में एक नई ई रिक्शा का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा बहुत सारे गणमान्य व्यक्तित्व गौ माता का और नदी भगत का पूजन करेंगे हवन यज्ञ में भाग लेंगे और श्री खाटू श्याम के कीर्तन में कीर्तन का आनंद लेंगे।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। शहीद भगत सिंह दिशा ट्रस्ट, जन संघर्ष मंच हरियाणा, निर्माणकार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन और मनरेगा मजदूर यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का 95वां शहीदी दिवस मनाया गया। शहीदों के क्रांतिकारी रास्ते पर चलने का संकल्प लेने के लिए छात्र, युवा, मजदूर व महिलाएं भारी संख्या में स्थानीय शहीद भगत सिंह दिशा संस्थान में एकत्रित हुए और शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि अर्पित करने पर जन समूह जोशो-खरोश के साथ इन्कलाबी नारे लगाते हुए जुलूस की शक्ल में शहर के मुख्य बाजार से होते हुए पुराने बस अड्डे के पास शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क में पहुंचे। शहीद मदनलाल ढींगरा पार्क में एक जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा की अध्यक्षता जन संघर्ष मंच हरियाणा के प्रांतीय प्रधान कामरेड फूलसिंह ने की। सभा में मुख्य वक्ता शहीद भगतसिंह दिशा मंच के राष्ट्रीय संयोजक कामरेड श्याम सुंदर रहे। सभा का संचालन कामरेड सुरेश कुमार ने किया। सभा के मुख्य वक्ता कामरेड श्याम सुंदर ने कहा कि अब हर व्यक्ति की समझ में यह बात आ रही है कि सरकारें पूंजीपतियों के हितों का मैनेजमेंट करने वाली कमेटी होती हैं। छात्र संगठन एसओएसडी की नेत्री कविता विद्रोही ने कहा कि मोदी सरकार ने शिक्षा के पाठ्यक्रम में आवर्त सारणी व डार्विन के जीव विकास के वैज्ञानिक विषयों को हटा दिया है और आईआईटी-जेईई जैसे रिसर्च संस्थानों में गोबर गोमूत्र पर शोध करने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है।

देश की गौरवशाली परम्परा, समृद्ध संस्कृति, विविधता में एकता की याद दिलाता है बिहार दिवस : नायब सिंह सैनी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में पहली बार बिहार दिवस के उपलक्ष में एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत और सोनीपत में आयोजित किया गया। यह दिन हमें हमारी विविधता में एकता की गौरवशाली परंपरा और समृद्ध संस्कृति की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज कुरुक्षेत्र में आयोजित बिहार दिवस के उपलक्ष में एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कुरुक्षेत्र में जमीन मिलने पर पूर्वांचल समाज के लिए धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बिहार की पावन धरा मेधा की धरती है। प्रतिभा की जमीन है। यह वह धरती है, जहां भगवान जन्म लेते रहे हैं। बिहार की धरा पर गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ और बौद्ध धर्म की स्थापना हुई। इसी पावन धरा पर जन्में महावीर स्वामी ने जैन धर्म की स्थापना की। महान अर्थशास्त्री एवं नीतिकार आचार्य चाणक्य ने भी यहीं पर राजनीति व अर्थशास्त्र के नए सूत्रों की रचना की। उन्होंने कहा कि महान मगध साम्राज्य इसी धरा (बिहार) की देन है, जिसकी शक्ति से घबराकर सिकंदर की सेनाओं ने ब्यास नदी को पार करने से मना कर दिया था। जिससे सिकंदर का विश्व विजेता बनने का सपना चकनाचूर हो गया। इसी धरा ने चक्रवर्ती सम्राट अशोक को जन्म दिया, जिन्होंने कलिंगा से लेकर कंधार तक अखंड भारत बनाया। उन्होंने कहा कि बिहार के ही नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों से पूरे संसार में शिक्षा का प्रकाश फैला। आधुनिक युग में भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद को भी इसी धरा

पर जन्म लेने का गौरव प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक, कलां संगीत और त्यौहार बिहार को एक अलग ही पहचान देते हैं। छठ पर्व को तो ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्ल का उत्तम उदाहरण कहा जा सकता है। मूल रूप से पूर्वांचल में मनाया जाने वाला यह पर्व अब विभिन्न प्रदेशों की सीमाएं लांघकर देशभर में मनाया जाने लगा है। पूरे हरियाणा प्रदेश में भी छठ पर्व मनाया गया। उन्होंने कहा कि बिहार और हरियाणा का सांस्कृतिक व पारंपरिक रूप से गहरा संबंध है। हरियाणा की धरती हमेशा वीरता, परिश्रम और मेहनतकश लोगों की रही है। बिहार के लोग भी अपनी मेहनत, संघर्ष और आत्मविश्वास के लिए जाने जाते हैं। बिहार के लोगों ने हरियाणा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, चाहे वह कृषि, उद्योग, व्यापार या सेवा क्षेत्र हो। बिहार के लाखों श्रमिक, डाक्टर, इंजीनियर, नौकरशाह और अन्य कार्यबल का हरियाणा के विकास में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि बिहार पहले पिछड़े राज्यों में शुमार था, आज बिहार विकास की नई कहानी लिख रहा है। पटना जैसे शहर अब स्मार्ट सिटी की ओर बढ़ रहे हैं। आज बिहार का युवा केवल सरकारी नौकरियों की ओर ही नहीं देख रहा है, बल्कि उद्यमियता और तकनीक में भी अपनी पहचान बना रहा है। यह बढ़ता बिहार-बदलता बिहार का प्रमाण है।

बिहार के नागरिकों को कर्मभूमि के साथ-साथ अपनी जन्मभूमि को भी हमेशा याद रखना चाहिए

बिहार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्ण नंदन पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कम दिनों में हरियाणा प्रदेश का समूचित विकास किया है। इस प्रदेश में बिहार के नागरिकों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदेश सरकार द्वारा दिया जा रहा है। जिस प्रकार बिहार प्रवासी भाईयों की जन्म भूमि है वहीं कुरुक्षेत्र प्रवासी भाईयों की कर्म भूमि है। इसलिए इस पावन धरा पर प्रवासी लोगों को खूब मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार के नागरिकों को कर्मभूमि के साथ-साथ अपनी जन्मभूमि को भी हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कुरुक्षेत्र में छठ पूजा महोत्सव को सरकारी तर्ज पर मनाने पर आभार प्रकट किया है। इस कार्यक्रम में बिहार भाजपा प्रदेश मंत्री स्वदेश यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा,प्रदेश महामंत्री डा.अर्चना गुप्ता, भाजपा के जिला अध्यक्ष तजेन्द्र सिंह गोल्डी, कार्यक्रम के जिला संयोजक रवि बतान, सह संयोजक तिलक राज अग्रवाल, सह संयोजक राजीव राय, सह संयोजक विकल चौबे, प्रदेश सचिव राहुल राणा, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभाष कलसाना, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, जिला मीडिया प्रभारी शलेष वत्स,भाजपा नेता हरपाल सिंह चीका, भाजपा नेता प्रवीण चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।
फोटो परिचय

सीएम आवास का घेराव करने जा रहे एनएचएम कर्मियों पर पुलिस ने किया वाटर कैनन व आंसू गैस का प्रयोग

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे एनएचएम कर्मचारियों पर पुलिस ने वाटर कैनन व आंसू गैस का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए सुबह से ही स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा सम्बंधित भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में प्रदेश भर के एनएचएम कर्मचारी पिपली में देवीलाल पार्क में जुटना शुरू हो गए थे। इनमें भारी संख्या में महिला कर्मचारी भी मौजूद रहे। प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचरियों के जुटने पर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। पुलिस ने कर्मचारियों को रोकने के लिए दो जगह पर बेरिकेटिंग की। मौके पर वज्र वाहन, वाटर कैनन वाहन सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। दोपहर 3 बजे सभी एनएचएम कर्मचारी देवीलाल पार्क से मुख्यमंत्री आवास की ओर रोष प्रदर्शन करते हुए रवाना हुए। पुलिस ने एनएचएम कर्मचारियों को जिंदल चौक से पहले ही बेरिकेट लगाकर रोक दिया। कर्मचारियों ने वही पर धरना शुरू कर दिया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही बेरिकेट लगाकर रोक दिया। लगभग आधा घंटा तक कर्मचारी वहीं पर धरना देकर डटे रहे। इसके बाद एनएचएम कर्मचारियों के सब्र का बांध टूट गया। मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने के लिए कर्मचारी बेरिकेट को धकेलने लगे तो पुलिस ने कर्मचारियों पर वाटर कैनन व आंसू गैस का प्रयोग किया और लाठीचार्ज भी किया। कर्मचारियों में रोष इतना था कि वे बेरिकेट तोड़कर आगे बढ़ गए। इसके बाद पुलिस ने कर्मचारियों को मुख्यमंत्री आवास समक्ष बेरिकेट लगाकर रोक लिया। यहां भी कर्मचारियों पर वाटर कैनन का प्रयोग किया गया।

आज मुख्यमंत्री कार्यालय चंडीगढ़ में यूनियन के पदाधिकारियों की होगी बैठक

स्थिति बिगड़ती देख उपायुक्त नेहा सिंह मौके पर पहुंची और उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यूनियन के 5 प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय चंडीगढ़ में 24 मार्च सोमवार सुबह 10 बजे मीटिंग करवाई जाएगी जिसके बाद

कर्मचारी शांत हुए और प्रदर्शन को समाप्त किया।

सरकार द्वारा बनाई नियमित कारण पॉलिसी में एनएचएम कर्मचारियों को नियमित करने का कार्य नहीं किया गया : दिनेश

अखिल भारतीय स्वास्थ्य एवं एनएचएम कर्मचारी महासंघ बीएमएस महामंत्री दिनेश कुमार कौशिक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय

कंबोज संघ ने बताया कि एनएचएम के तहत कार्यरत कर्मचारी वर्ष 1998 से लगातार अपनी सेवाएं स्वास्थ्य विभाग को प्रदान कर रहा है जो कार्य आज नियमित कर्मचारी कर रहे हैं। समान कार्य एनएचएम कर्मचारियों द्वारा ही किया जा रहा है लेकिन वर्षों में अनेकों बार सरकार द्वारा बनाई नियमित कारण पॉलिसी में एनएचएम कर्मचारियों को नियमित करने का कार्य नहीं किया गया है वर्ष 2011 में चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय दिल्ली भारत सरकार के द्वारा जारी एडवाइजरी के तहत सभी एनएचएम कर्मचारियों को नियमित करने के लिए सभी राज्यों को निर्देश दिए गए थे। जिस पर देश में सबसे पहले मणिपुर राज्य के द्वारा वर्ष 2021 में कार्रवाई करते हुए सभी एनएचएम कर्मचारियों को नियमित करने का कार्य किया गया है। आज सभी कर्मचारी 2022 से नियमित तौर पर अपनी सेवाएं राज्य में प्रदान कर रहे हैं। क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री सोहन लाल गुप्ता, प्रदेश महामंत्री हवा सिंह मैहला, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि वे मुख्यमंत्री से आग्रह करना चाहते है कि वित्त विभाग हरियाणा द्वारा एनएचएम कर्मचारियों की सेवन नियमों को रोक लगाने के संबंध में जारी एडवाइजरी को तुरंत रद्द किया जाए।

नई स्कीम करदाताओं को पुराने वित्तीय बोझ से मुक्त कर एक नई शुरूआत करने का देगी अवसर: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से किया एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 का शुभारंभ, इस स्कीम के तहत 10 लाख रुपये तक की बकाया राशि वाले करदाताओं को 1 लाख रुपये तक की मिलेगी छूट

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 23 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एकमुश्त निपटान स्कीम 2025 से प्रदेश के लाखों छोटे करदाताओं को लाभ मिलेगा। इस योजना को प्रदेश में अप्रैल माह में लागू कर दिया जाएगा और इस योजना का फायदा उठाने के लिए 180 दिनों के अंदर आवेदन करना होगा। इस योजना की 3 स्लैब बनाई गई है। अहम पहलू यह है कि 1 लाख से लेकर 10 लाख और 10 लाख से लेकर 10 करोड़ तथा 10 करोड़ से ऊपर की स्लैब में व्यापारियों व उद्यमियों को फायदा होगा। इस योजना के लागू होने के बाद व्यापारियों को लिटिकेशन से भी निजात मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को हरियाणा कला परिषद के सभागार में हरियाणा आबकारी एवं कराधान विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा,विधायक पवन कुमार, प्रधान सचिव दवेन्द्र सिंह कल्याण, आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने दीप शिखा प्रज्ज्वलित करके विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया और हरियाणा आबकारी एवं कराधान विभाग की एकमुश्त निपटान योजना 2025 का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस दौरान हरियाणा स्टेट टैक्स बार एसोसिऐशन, हरियाणा व्यापार मंडल, चार्टड एकाउंटेड फरीदाबाद, रोहतक व गुरुग्राम, हरियाणा चैम्बर आफ कार्मस एसोसिऐशन, स्टेट टैक्स बार एसोसिऐशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आर्थिक समृद्धि और सुशासन के लिए एक पारदर्शी और न्यायसंगत कराधान प्रणाली आवश्यक है। अगर कर प्रणाली सरल और प्रभावी होती है, तो व्यापारियों, उद्यमियों और निवेशकों को लाभ होता है और आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 स्कीम से हजारों करदाताओं, विषेशकर छोटे दुकानदारों, उद्यमियों व व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह स्कीम करदाताओं को पुराने वित्तीय बोझ से मुक्त कर एक नई शुरूआत करने का अवसर देगी। उन्होंने कहा कि एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 स्कीम हरियाणा के उन करदाताओं के लिए है, जो किन्हीं कारणों से अपने करों की बकाया राशि का भुगतान नहीं कर सके। इस स्कीम के तहत 10 लाख रुपये तक की बकाया राशि वाले करदाताओं को 1 लाख रुपये तक की छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजना अप्रैल माह से शुरू हो जाएगी और 180 दिनों अर्थात 6 महीनों के लिए खुली रहेगी। उनकी करदाताओं से अपील है कि वे अपने बकाया का भुगतान जल्द से जल्द करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सभी वर्गों के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए विवादों का समाधान कार्यक्रम शुरू किया था, जिसके तहत विभिन्न विभागों ने समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग नाम से स्कीमें शुरू की हैं। एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 भी उसी श्रृंखला की कड़ी है। उन्होंने कहा कि आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा को विभिन्न कारणों से बकाया करों की वसूली करने में बड़ी कठिनाई

महसूस हो रही थी। इसलिए हमने बकाया करों को कम करने, मुकदमेबाजी को कम करने और बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने के लिए ह्यएक मुश्त निपटान स्कीमह्ल लागू की है। इस स्कीम को लागू करने से जहां करदाताओं को राहत मिलेगी, वहीं राजस्व वसूली में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी हम वर्ष 2023 में एक मुश्त निपटान स्कीम लाई गई थी, लेकिन उस स्कीम में कुछ अड़चनें आ गई थी। अब नई स्कीम में अड़चनों को दूर कर दिया गया है। एक मुश्त निपटान स्कीम-2025 में बकाया कर का वर्गीकरण नहीं किया गया है। यह योजना संचयी निर्धारित बकाया राशि पर आधारित होगी। इस योजना के तहत जुमार्ना राशि एवं ब्याज राशि से पूरी तरह से छूट दी जाएगी।

जीएसटी में कुछ नई पहल की गई

उन्होंने कहा कि इस स्कीम में सरकार ने करदाताओं की सुविधा के लिए बकाया करों का भुगतान करने हेतु तीन स्लैब बनाई हैं। करदाता को 10 लाख रुपये तक के संचयी निर्धारित बकाया कर के भुगतान के लिए 10 लाख रुपये में से 1 लाख रुपये तक की छूट को कम करने के बाद उसे 40 प्रतिशत भुगतान करना होगा। 10 लाख रुपये से अधिक व 10 करोड़ रुपये तक के संचयी निर्धारित बकाया कर देयताओं के लिए करदाता को 50 प्रतिशत राषि का भुगतान करना होगा। इसी तरह से करदाता को 10 करोड़ रुपये से अधिक के संचयी निर्धारित बकाया कर की देयताओं का 100 प्रतिशत भुगतान करना होगा। यही नहीं, 10 लाख रुपये के बकाया कर से अधिक की निपटान राशि वाले करदाताओं को 2 किस्तों में अदायगी करने का विकल्प दिया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो कोई भी इस योजना का विकल्प चुनता है, उसे बकाया कर देयता में किसी भी प्रकार के संशोधन का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस स्कीम के तहत सरकार ने छोटे से छोटे व्यापारी से लेकर बड़े से बड़े व्यापारी तक को रियायत दी हैं। इससे आज प्रदेश में व्यापारियों के लिए ईमानदारी से अपना कारोबार करने के लिए बड़ा ही अच्छा, सुरक्षित एवं अनुकूल माहौल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जी.एस.टी. में कुछ नई पहल की गई हैं। अब करदाताओं की सुविधा के लिए हरियाणा जी.एस.टी. अधिनियम, 2017 की धारा 65 के तहत किए जाने वाले पिछले तीन से चार वर्षों के ऑडिट एक बार में ही किए जाएंगे। इससे व्यापारियों को बार-बार विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसी तरह से पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रत्येक ई.टी.ओ. और डी.ई.टी.सी. कार्यालय कक्षों में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्राप्त अन्य सुझावों में कृषि उपकरणों पर जी.एस.टी. छूट,जी.एस.टी. रिफंड का स्वचालन, मासिक के बजाय वार्षिक स्व-मूल्यांकन और बिल जारी करने की सीमा को 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करना भी शामिल हैं। इन सुझावों की सिफारिश हरियाणा सरकार जी.एस.टी. परिषद को करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुधार के पक्ष है, व्यापारियों की समस्या का समाधान करने का हर सम्भव प्रयास किया गया है। व्यापारियों से सुझाव लेकर नीतियों को सरल बनाया गया है। प्रदेश के विकास में व्यापारियों का महत्वपूर्ण योगदान है। सरकार उनके हितों के प्रति पूरी तरह से सजग है। देश में हरियाणा प्रदेश से होने वाले जी.एस.टी. कलेक्शन में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि दर बड़े राज्यों में टॉप पर है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों व करदाताओं की सुविधा के लिए रेवाड़ी में 29 करोड़ रुपये की लागत से कर-भवन का निर्माण किया गया है। सभी 27 जी.एस.टी. कार्यालयों में 29 करोड़ रुपये की लागत से जी.एस.टी. सुविधा केंद्र शुरू किए गए हैं। इसी तरह से गुरुग्राम में स्टार्टअप जी.एस.टी सुविधा प्रकोष्ठ तथा पंचकूला में एम.एस.एम.ई जी.एस.टी प्रकोष्ठ शुरू किये गये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने धान की खरीद पर आढ़तियों का कमीशन 46 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल किया है। अब तक आढ़तियों को 309 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खरीफ वर्ष 2024-25 के दौरान प्रदेश में ह्यकस्टम मिल्ड राइस डिलीवरीह्ल के लिए सभी राइस मिलर्स को 31 अगस्त, 2024 तक 62 करोड़ 58 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि स्वरूप बोनस दिया गया है। इसी तरह से प्राकृतिक आपदा में व्यापारियों के जान व माल के नुकसान की भरपाई के लिए ह्यसंशोधित मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति बीमा योजनाह्ल शुरू की है। ह्लप्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजनाह्ल के तहत खुदरा विक्रेताओं और दुकानदारों के लिए मासिक पेंशन सुनिश्चित की गई है। लघु व मध्यम व्यापारियों के कल्याण के लिए उन्हें एम.एस.एम.ई. विभाग के अंतर्गत लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना को शुरू करने का सरकार का उद्देश्य सिर्फ कर संग्रह करना नहीं बल्कि न्यायसंगत कर प्रणाली के माध्यम से विकास को गति देना है। इस योजना से राजस्व तो बढ़ेगा ही साथ में लोगों का सरकार में विश्वास और मजबूत होगा। आबकारी एवं कराधान विभाग के प्रधान सचिव दवेन्द्र कल्याण ने एकमुश्त निपटान योजना 2025 के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने सभी अधिनियमों, योजना से जुड़ी सभी छूट व अन्य नियमों को विस्तार से जानकारी दी है। इतना ही नहीं पावर प्रेजेंटेशन के जरिए पिछले 5 सालों की जीएसटी,एक्साईज, वैट कलैक्शन के बारे में आंकडे प्रस्तुत किए और बताया कि पांच सालों में 60 हजार 122 करोड़ का कर विभाग को मिला है और यह 65 प्रतिशत लक्ष्य से ज्यादा है। अभी हाल में ही विभाग ने 63 हजार 343 करोड़ के निर्धारित लक्ष्य में से 61 हजार 464 करोड़ का कर एकत्रित कर लिया है। इस विभाग की तरफ से मुख्यमंत्री के आदेशानुसार अधिकारियों को अपटूडेट करने के लिए लैपटॉप भी दिए जाएंगे और सभी कार्यालयों में 15 मई तक सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए जाएंगे। विभाग के आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, विधायक पवन खरखौदा,आबकारी एवं कराधान विभाग के प्रधान सचिव देवेन्द्र सिंह कल्याण, आबकारी एवं कराधान विभाग के आयुक्त विनय प्रताप सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष तजेन्द्र सिंह गोल्डी, नप चेयरमैन माफी ढांडा, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर,चेयरमैन धर्मवीर डागर, टैक्स ट्रिब्यूनल के चेयरमैन हरनेश सिंह गिल और उद्योग जगत के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

टॉप पांच करदाताओं और अधिकारियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला जोन के 5 सर्वश्रेष्ठ करदाताओं को सम्मानित किया। इनमें हिन्दुस्तान पैट्रोलियम अंबाला, जीवन बीमा निगम करनाल, मैसर्ज सैनसन पेपर कुरुक्षेत्र, हरियाणा कौशल रोजगार निगम पंचकुला, ब्लयू क्राफ्ट एग्रो प्राईवेट लिमिटेड यमुनानगर शामिल रहे। इसी तरह मुख्यमंत्री ने उत्कृष्टह्ल सेवा और सर्वश्रेष्ठह्ल प्रदर्शन के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग के 5 अधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिनमें डिप्टी एक्साईज एवं टैक्सेज कमीश्नर करनाल नीरज, डीईटीसी हिसार तरूणा लांबा,ईटीओ गुरुग्राम गौरव,ईटीओ रेवाडी परमजीत यादव,एटीओ सोनीपत संदीप पुनिया को सम्मानित किया।

इतिहास प्रसिद्ध इस्तांबूल

नैसर्गिक एवं प्राकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती सूर्यरश्मियां, बर्फानीं पहाडियां, समुद्रीतट व झीलों के नयनाभिराम परिदृश्यों से पर्यटको को लुभाता, दो महाद्वीपों के आलिंगन में बंधा राष्ट्र टर्की? भारत से यूरोप जाते समय टर्की रास्ते में पडता है, बिना किसी अतिरिक्त किराये के आप इसकी राजधानी अंकारा एवं प्रसिद्ध नगर इस्तंबूल के भमण की सुखद अनुभूति कर सकते है।

बोसफोरस की संकरी जल प्रणाली दोनो महाद्वीपो के मध्य सीमारेखा के रूप मे विद्यमान है, किन्तु टर्की का अधिकांश भू भाग एशिया महाद्वीप के अन्तंगत पडता है। बोसफोरस के एक तरफ यूरोपियन इस्तंबूल का पुराना शहर है जो पर्यटको के आर्कषण का केन्द्र है। इस्तंबूल का दूसरा भाग नया शहर है, जो पाश्चात्य तरीके का व्यवस्थित उपनगर है। बोसफोरस के ऊपर दो आकर्षक पुल हैं। फातिह सुल्तान मुहम्मद पुल तथा बोस्फोरस पुल। बोस्फोरस पुल विश्व का सबसे बडा झूले पर आधारित पुल है । बोसफोरस की यह खूबसूरत नहर पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। सूर्यास्त के सुंदर चित्रों के लिये प्रसिद्ध दृश्यों वाली इस नहर पर दिन में अनेक प्रकार की नावों द्वारा नौकाविहार की व्यवस्था है किन्तु एकांत में शांत पानी को देखते रहने का सुख भी कुछ कम नहीं।

प्राकृतिक सौन्दर्य के आनंद को दुगना करने के लिये बोसफोरस के तट पर स्थित रेस्त्राओं मे हर प्रकार का भोजन मिलता है और इनकी साज सज्जा व चहल पहल देखते ही बनती है। शाकाहार के प्रेमियों के लिये थोड़ी कठिनाई ज़रूर होती है पर भूख मिटाने के लिये कुछ न कुछ मिल ही जाता है।

सूर्यास्त के समय बोसफोरस के जल पर झिलमिलाती लालिमा और दूसरे तट पर स्थित इमारतों की प्रतिछाया का मोहक दृश्य देखकर लगता है कि शताब्दी पूर्व इन्हीं दृश्यों के लिये इस विलक्षण स्थान पर इमारते बनायी गयी होंगी। बोसफोरस नहर पर दृश्यावलोकन यहाँ के ढाई हजार वर्ष पुराने स्मारक टर्की के सुदूर गौरवमयी अतीत के साक्षी देते हैं।संसार के प्रसिद्ध ऐताहासिक नगरों में इस्तंबूल की गणना होती है। समय के साथ साथ इस्तंबूल का नामकरण होता रहा , परन्तु आज भी इसे यूरोप और एशिया के संगम के रूप में जाना जाता है। विभिन्न प्राकृतिक परिदृश्यों के कारण यहाँ एक दिन में ही आप तीनों ऋतुओं का आनन्द उठा सकते हैं, जहाँ एक ओर अप्रैल की तीक्ष्ण गर्मी वहीं बैगनी पुष्पों से आच्छादित सम्पूर्ण नगर मनोहारी लगता है।

12लाख लोगो के जनसंकुल और कोलाहल ने इस शहर को चित्ताकर्षक बना दिया है। वास्तव में इस्तंबूल की मिश्रित संस्कृति, राजप्रासाद, संग्रहालय, चर्च, विशाल मस्जिद, बाजार और प्राकृतिक दृश्यों का सौन्दर्य अनन्त प्रतीत होता है। नगर के बीच स्थित विशालकाय स्टेडियम 'हिप्पोड्रोम' इस्तांबूल का एक जीवंत परिसर है। यह विशाल मनोरंजन का क्षेत्र आज घुडदौड, रथदौड, सर्कस, प्रर्दशनी एवं सभी प्रकार के मनोरंजन का केन्द्र बन गया है।

बस से जाते समय अया सोफिया का बाहरी हिस्सा बहुत आर्कषक नही लगा लेकिन अन्दर पहुँचने पर विस्मयकारी लगता है। इसकी विलक्षणता देखकर स्वमेव ही लगता है कि बाइजन्टाइन स्थापत्य कला कितनी विकसित थी। इस चर्च का 105 फुट घेरे वाले गुम्बद की गणना विश्व के सबसे बडे एवं खूबसूरत गुम्बदों में की जाती थी, जब तक रोम के सेन्ट बेसिलका का निमार्ण नही हुआ था। कानस्टेनटाइन के द्वारा बनाये गये चर्च को 1453 में ओटोमन ने मस्जिद के रूप में परिवर्तित करा दिया था। बाद में टर्की गणतन्त्र के संस्थापक अतातुर्क मुस्तफा कमाल ने इसे संग्रहालय के रूप मे प्रतिष्ठित कर दिया। हकीका सोफिया का कलात्मक गुंबद समुद्र तट पर थोडी उँचाई पर एक बहुत बडे घेरे के अन्दर निर्मित टोपकपी पैलेस तक अया सोफिया से पहुँचने में 5 मिनट लगते हैं ,जहाँ इस्तंबूल का अत्यन्त ऐताहासिक परिदृश्य आपका स्वागत करता है। सभी ओटोमन सुल्तानों ने इसे अपनी स्थापत्य कल्पनाओं के अनुरूप अलंकृति करते रहे हैं।यहाँ पर संग्रहीत शाही वस्तुओं को देखने से टर्की के ओटोमन सुल्तानों की विलासता एवं वैभव की स्पष्ट झलक मिलती है।

गौरवशाली ग्वालियर

ग्वालियर का किला भारतीय इतिहास के उस महत्वपूर्ण काल-खंड में, जिसे मध्ययुग कहते हैं, अनेक ऐसे ग्रन्थ लिखे गए जिनमें उस प्रमुख भू-भाग की, जिसे मध्यदेश कहा जाता था, बोली-ठोली, साहित्य, कला, संस्कृति, प्रथा-परम्पराओं, चिन्तन-मनन, आचार-विचार, व्यवहार आदि की पर्याप्त जानकारी मिलती है।

ग्वालियर का महत्व केवल इसी कारण नहीं है कि यह एक अति प्राचीन नगर है बल्कि इसलिए है कि भारतीय इतिहास के हर काल-खंड में यह एक प्रमुख सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में जगमगाता रहा है। साहित्य, संगीत, काव्य, चित्रकला, स्थापत्य, शिल्प, हस्तकला आदि सभी में ग्वालियर ने अपनी बुलंदियों की वजह से सारे जहां में नाम रौशन किया है।

ग्वालियर एक दूसरे से मिली हुई तीन शहरी आबादियों से निर्मित हैं। पहला है प्राचीन नगर ग्वालियर। दूसरा है लश्कर, जिसे सन् 1800 के लगभग महाराजा दौलतराव सिंधिया ने अपनी राजधानी और निजी सेना के कैंप के लिए बड़े चाव से निर्माण किया था। तीसरा है मुरार, जो किले के पूरब में हैं और इसे अंग्रेजों द्वारा सैनिक छावनी के रूप में उपयोग किया जाता था। सिंधिया राजाओं द्वारा बनवाई गई देशी-विदेशी स्थापत्य शैलियों की शानदार और भव्य इमारतों से सजा बहुत खूबसूरत शहर और मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण व्यावसायिक एवं व्यापारिक केन्द्र हैं।

ग्वालियर के समीप ऐतिहासिक कस्बा आंतरी है। तानसेन के प्रथम संगीत गुरू गोविंद स्वामी यहीं के थे, दरबारे- अकबरी का एक चमकीला रत्न यानी अबुल फज़ल चिर निद्रा में यहां सो रहा है। पन्द्रहवीं शती तक मध्यप्रदेश का संगीत इतना विकसित तथा प्रसिद्ध हो चुका था कि ग्वालियर की तान और मुल्तान की कमान जैसी लोकोक्तियां लोगों की जबान पर चढ़ गई थीं। यही वह जमाना था जब संगीत-सौन्दर्य व कलारसिक राजा मानसिंह की संगीत सभा ग्वालियर दुर्ग पर अपनी पूरी आन-बान व शान के साथ जमती थी। इसी संगीत सभा में ध्रुवपद यानी ध्रुपद का जन्म हुआ।

अब आइए, ग्वालियर के किले की ओर चलें जहां कभी राजा मानसिंह की संगीत सभा जुड़ती थी और गीत-संगीत की सुरीली स्वर लहरियों से ज़मीन-आसमान झूमते थे। ग्वालियर किले का निर्माण कब और किसने कराया इसे लेकर जो किंवदंतियां हैं उनमें प्रमुख यह है कि किसी ज़माने में कच्छवाहा राजा सूर्यसेन कोढ़ से पीड़ित था। मृगया-विहार करता वह इस इलाकें में आ निकला। यहां उसकी भेंट इस पहाड़ी पर तपस्यारत ऋषि गालव, जिनका उल्लेख ग्वालिय नाम से भी मिलता है, से हुई। उनकी कृपा-दृष्टि से सूर्यसेन रोगमुक्त हो गया और उसी ने गालव ऋषि के नाम पर ग्वालियर के किले का निर्माण कराया और जो बस्ती आबाद की उसका नामकरण किया ग्वालिआवर। यही बाद में ग्वालियर नाम से मशहूर हो गया।

भारत के सुप्रसिद्ध, अजेय और प्रमुख किलों में से एक हैं ग्वालियर दुर्ग। इसका प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सामरिक महत्व भारत के तमाम दुर्गो में अप्रतिम व अद्वितीय है। उत्तर से दक्षिण तक 1 मील 6 फर्लांग लंबी, 300 फुट ऊंची और 600 से लेकर 2,800 फुट तक चौड़ी बलुआ पत्थर की पहाड़ी के एक समतल बनाये गए किले में स्थित महल मान मंदिर शिखर भाग पर, 35 फुट ऊंची सुदृढ़ दीवारों से निर्मित यह आज भी सर बुलन्द खड़ा है। यही वह खूबसूरत किला है जिसे विद्वानों ने उत्तर भारत के तमाम किलों में सबसे मनोरम माना व बताया है। मुगल बादशाह बाबर ने इसे हिन्दुस्तान के अन्य किलों में मोती बताया है। कभी यहां अनेक मंदिर थे जिनमें से अब कुछ ही दर्शनीय रह गए हैं। ग्वालियर नगर के किला-गेट से जब हम भीतर प्रवेश कर मुख्य द्वार की ओर बढ़ते, ढलवां चढ़ाई चढ़ते हैं तो दाहिनी और चट्टानी कन्दराओं में बनी कुछ गुफाएं नज़र आती है। यह कभी जैन-साधकों की ध्यान-साधना के उपयोग में आती थीं। कुछ और चढ़ाई चढ़ने पर रास्ते के दाहिनी तरफ पहाड़ी के कदमों में खिड़की जैसी नज़र आती है। भीतर झांकने पर पता चलता है कि जल भंडारण की क्या बढ़िया कुदरती ढकी हुई व्यवस्था है।

किले के मुख्य द्वार में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले विशाल मान मंदिर हमारा स्वागत करता है। यह राजा मानसिंह ने बनवाया था। इसके अन्तर्गत कभी बेहद खूबसूरत छः आलीशान महल थे। इसी के बगल में हैं मानसिंह की परिणीता रानी मृगनयनी का महल-गूजरी महल।

इसके तहखाने व शीशमहल आज भी अपनी खामोशी में न जाने कितनी रंगीन दास्तानें छुपाए हुए हैं। गूजरी महल स्थित राजकीय संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियों व प्रस्तर-प्रतिमाओं का बहुत बढ़िया संग्रह हैं।

जहाँ तीन महासागर मिलते हैं

भारत भूमि के सबसे दक्षिण बिंदु पर स्थित कन्याकुमारी में केवल एक तीर्थस्थान है बल्कि देशी विदेशी सैलानियों का एक बड़ा पर्यटन स्थल भी है। देश के मानचित्र के अंतिम छोर पर होने के कारण अधिकांश लोग इसे देख लेने की इच्छा रखते हैं।

हिंद महासागर बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर के मिलन बिंदु पर स्थित इस नगर के लिए देश के अन्य भागों से वैसे तो अनेक रेलगाड़ियाँ हैं, किंतु हिमगिरि एक्सप्रेस देश की सबसे अधिक लंबी दूरी तय करने वाली एक्सप्रेस गाड़ी है। तामिलनाडु प्रांत में स्थित कन्याकुमारी की दूरी केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से ..... किलोमीटर है। कोंकण रेलवे बन जाने और नई दिल्ली तिरुवनंतपुरम राजधानी शुरू हो जाने से अब यहाँ तक पहुँचने के लिए समय में काफी बचत हो जाती है, इससे पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वैसे तिरुवनंतपुरम से कन्याकुमारी के लिए अनेक गाड़ियाँ हैं, किंतु पंद्रह-पंद्रह मिनट के बाद अंतर्राज्यीय बस सेवाएँ भी हैं। सामान्यतया पर्यटक यदि बस से कन्याकुमारी जाता है तो लौटते समय वह रेलगाड़ी में यात्रा करना पसंद करता है क्यों कि दोनों के मार्ग अलग-अलग होने के कारण अनेक प्रकार के प्राकृतिक दृश्यों को देखने का अवसर मिल जाता है।

तिरुवनंतपुरम से लगभग छियासठ किलोमीटर की दूरी पर नागरकोविल है। कन्याकुमारी जाने से पूर्व पर्यटक यहाँ विश्राम करना पसंद करते हैं। देश की सबसे बड़ी केलों की मंडी यहाँ स्थित है। यहाँ न केवल भिन्न-भिन्न आकार के केले मिलते हैं बल्कि एक प्रकार का लाल रंग का केला भी पाया जाता है जो बहुत स्वादिष्ट होता है। यह नगर बहुत स्वच्छ एवं सुंदर है। नगर नारियल के वृक्षों से ढका है। तिरुवनंतपुरम से नागरकोविल की यात्रा बस द्वारा करने पर अंतिम से कुछ किलोमीटर को छोड़कर शेष रास्ता सड़क के दोनों तरफ़ दुकानों और मकानों से घिरा होने के कारण यह अनुमान लगा पाना मुश्किल होता है कि पहला नगर कब छूटा? छूटा भी या नहीं? यात्रा रोमांचक होती है तथा गाड़ी में जिज्ञासा बराबर बनी रहती है।

ठहरने का स्थान

नागरकोविल से कन्याकुमारी की दूरी लगभग बाईस किलोमीटर है। यहाँ से कन्याकुमारी के लिए पाँच-पाँच मिनट पर बसें मिलती हैं। देश के अनेक राज्यों की तुलना में यहाँ बस का किराया सबसे कम है। कन्याकुमारी पर्यटक स्थल होने के कारण महँगा है, किंतु नागरकोविल उसकी तुलना में काफी सस्ता है। जो पर्यटक एक से अधिक दिन कन्याकुमारी ठहरते हैं तथा उनके सदस्यों की संख्या अधिक होती है, वे अपनी भोजन सामग्री नागरकोविल से पैक कराकर ले जाते हैं।

कन्याकुमारी में ठहरने के लिए अनेक होटल, गेस्ट हाउस व लॉज हैं। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का अतिथिगृह भी काफी बड़ा, भव्य व खूबसूरत है। यहाँ अनेक एंपोरियम, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, साड़ियों आदि की दुकानें हैं। एंपोरियम में समुद्री वस्तुओं से बनी कलाकृतियाँ व अन्य सामग्री खरीदी जा सकती है। इसमें सभी धर्मों के लोग रहते हैं। यहाँ मंदिर, गिरजाघर और मस्जिद भी हैं। सागर तट के साथ पर्यटक परिसर विकसित हैं जहाँ पर्यटकों के रहने के लिए होटल, लॉज, अतिथिगृह हैं, वहाँ एम्पोरियम, दुकानें, दर्शनीय स्थल जैसे महात्मा गांधी स्मारक, प्रकाश स्तंभ. यंत्र नौका अड्डा, डाकघर, बैंक, कुमारी अम्मां मंदिर, गगनाथा स्वामी मंदिर, पुस्तकालय व आर. सी. चर्च हैं। यहाँ देश का अंतिम रेलवे स्टेशन व अंतिम बस अड्डा भी है।

विवेकानंद स्मारक

यंत्र-नौका अड्डे से नौका द्वारा कुछ मिनटों के फासले पर समुद्र के बीच में स्वामी विवेकानंद स्मारक है जो समुद्र के मध्य स्थित शिला पर 1970 ई. में निर्मित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि स्वामी विवेकानंद ने इस शिला पर 1892 ई. में योगसाधना की थी। और इसके उपरांत सन 1893 ईस्वी में विश्वविख्यात शिकागो के धर्म सम्मेलन में भाग लिया था। इस स्मारक में स्वामी जी की प्रतिमा के साथ ही एक ध्यान केंद्र भी है जिसमें कोई भी ध्यान केंद्रित कर सकता है किंतु बच्चों एवं स्त्रियों के लिए निषेध है। यहाँ स्वामी विवेकानंद पर आधारित साहित्य के विक्रय केंद्र भी हैं। इसके साथ ही एक शिला पर तमिल के महान कवि तिरुवल्लुवर की विशालकाय प्रतिमा भी स्थापित की गई है।

कन्याकुमारी का सूर्योदय एवं सूर्यास्त देखने योग्य होता है। सूर्योदय तो किसी भी मौसम में देखा जा सकता है किंतु मानसून के दिनों में आकाश में बादल होने के कारण कभी-कभी वंचित भी होना पड़ सकता है इसलिए शरद ऋतु में सूर्योदय एवं सूर्यास्त दोनों देखा जा सकता है। गर्मियों में सूर्यास्त थोड़ा और पश्चिम की तरफ होने के कारण दिखाई नहीं पड़ता। यदि पूर्णमासी के दिन यहाँ की यात्रा की जाए तो सोने में सुहागा जैसा होता है।

कन्याकुमारी का पौराणिक माहात्म्य भी है। कहा जाता है कि देवराज इंद्र को गौतम ऋषि द्वारा प्राप्त श्राप से मुक्ति यहाँ मिली थी। यहाँ देवराज इंद्र ने कन्याकुमारी मंदिर के द्वितीय प्रकार के गणपति की देवेंद्र ने ही प्रतिष्ठा करके पूजा की थी इसलिए इसे 'इंद्रकांत विनायक', 'पापविनाशम' व 'मंडूक तीर्थक' भी कहते हैं।

सीढ़ियों वाला घाट

कन्याकुमारी के तीन सागरों के मिलन बिंदु पर सोलह स्तंभों वाला एक मंडप बना है जिसके नीचे सीढ़ियों वाला घाट है, इस घाट पर श्रद्धालु स्नान करते हैं। किंतु इससे थोड़ा पश्चिम हटकर प्राकृतिक रूप से फैली चट्टानों के मध्य सागर का उथला भाग है जहाँ पर्यटक एवं उनके साथ आए बच्चे सागर की लहरों के साथ खेलते हैं। कन्याकुमारी की जलवायु पश्चिमी घाट की है इसलिए वर्ष भर समताप रहता है और प्रतिवर्ष लगभग 102 से.मी. वर्षा हो जाती है। धरती पथरीली है इसलिए नारियल, कौकर, इमली के ही वृक्ष उगते हैं।

यहाँ के आदिवासियों की आजीविका समुद्र पर आधारित है। कुछ लोग पर्यटन व्यवसाय में लगे हैं, किंतु यहाँ अधिकांश दुकानों के मालिक अन्य राज्यों के हैं। यहाँ की भाषा तमिल, मलयालम और अंगरेज़ी है किंतु हिंदी में काम चलाया जा सकता है। दो अक्तूबर को कन्याकुमारी में जहाँ गांधी स्मारक निर्मित है, वहाँ गांधी जी का सिला वस्त्र समुद्र में विसर्जन हेतु रखा था। दो अक्तूबर को दोपहर के ठीक 12 बजे सूर्य की किरणें दिखाई देती हैं, वहीं गांधी जी का स्मारक बनाया गया है। प्रकाश स्तंभ से यदि कन्याकुमारी का दृश्य देखा जाए तो अद्भुत अनुभव होता है।

होटल में तब्दील होगा सिंगापुर का मरलॉयन

सिंगापुर की खास पहचान मरलॉयन अब एक होटल में तब्दील होने जा रहा है। सिंगापुर का नाम लेने पर सैलानियों के जेहन में आने वाली छवियों में एक सबसे प्रमुख मैरिना बे में खडे मुंह से पानी गिराते आठ मीटर ऊंचे मरलॉयन की भी है। अब सिंगापुर की संस्कृति का यह खास प्रतीक मशहूर जापानी कलाकार तात्जू निशी के डिजाइन किए हुए होटल में तब्दील होने जा रहा है। यह तब्दीली सिंगापुर आर्ट म्यूजियम द्वारा आयोजित किए जाने वाले सिंगापुर बाइनेल (द्विवार्षिकी) का हिस्सा है। 13 मार्च से 15 मई 2011 के बीच होने वाले बाइनेल का यह तीसरा संस्करण है।

मरलॉयन का नया स्वरूप दरअसल अपने आप में एक कलाकृति है जो उसे एक अस्थायी शानदार होटल स्वीट का रूप दे देगी। दिन के समय (सवेरे 10 बजे से शाम 7 बजे तक) यह आम लोगों के देखने के लिए उपलब्ध रहेगा तो शाम के वक्त यह होटल के कमरे के तौर पर रात गुजारने के इच्छुक लोगों को किराये पर मिल सकेगा। इस अनुभव को उठाने के इच्छुक लोग 28 फरवरी 2011 से बुकिंग कराना शुरू कर सकते हैं। यह कमरा 4 अप्रैल से 5 मई के बीच दो वयस्क लोगों को 150 सिंगापुर डॉलर की दर पर एक रात के लिए उपलब्ध रहेगा। एक कमरे के इस होटल में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं- डबल बेड, बाथरूम, खास मरलॉयन होटल बटलर और सिंगापुर फुलर्टन होटल में सुबह का नाश्ता। हर मेहमान को वहां पहुंचने पर मेजबानों की तरफ से विशेष तोहफे भी मिलेंगे। और तो और, आम लोगों के लिए एक कॉटेस्ट भी रखी गई है जिसमें बाइनेल की पहली व आखिरी रात (13 मार्च व 15 मई) को मरलॉयन होटल में ठहरने का मुकाबला जीता जा सकता है। इस मुकाबले में शामिल होने के लिए लोगों को सौ शब्दों में अपनी निजी कहानी लिखनी होगी कि क्यों उन्हें मरलॉयन होटल में रात गुजारने का मौका दिया जाना चाहिए। सिंगापुर मरलॉयन को सबसे पहले 1972 में आठ मीटर ऊंची कलाकृति के तौर पर बनाकरसिंगापुर नदी के मुहाने पर स्थापित किया गया था- सिंगापुर आने वाले सभी लोगों का स्वागत करने के लिए। उस समय इसकी लागत 1.65 लाख सिंगापुर डॉलर आई थी। उसे एक स्थानीय शिल्पकार लिम नांग सेंग ने बनाया था, जिसने शिल्प में कई मुकाबले जीते हुए थे। 15 सितंबर 1972 को इसे औपचारिक रूप से तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित किया गया। लेकिन 15 सितंबर 2002 को इसे वन फुलर्टन के निकट मरलॉयन पार्क में इसकी मौजूदा जगह पर ले जाया गया जो ठीक मैरिना बे पर है। अब इस नई कलाकृति को रूप देने के लिए मरलॉयन को 7 फरवरी को ढक दिया गया है। 9 मार्च तक यह ऐसे ही रहेगा। 11 मार्च को इसका अनावरण होगा।

एक बार सिंगापुर बाइएनेल 15 मई को खत्म हुआ तो 16 मई से 5 जून तक इसे फिर इसे अपने मूल स्वरूप में लाने का काम चलेगा और 6 जून को मरलॉयन फिर अपने असली रूप में लोगों के सामने होगा। इस सिंगापुर बाइएनेल का एक और खास आकर्षण होगा। मैरिना बे पर लाइट शो की जगह इस बार राफेल लोजानो-हेमर की एक अद्भुत कलाकृति होगी जिसमें लोग पुराने कलांग एयरपोर्ट की लंबी दीवार पर अपनी छाया डालकर मनपसंद रेडियो स्टेशन सुन सकेंगे। एक कंप्यूटराइज्ड ट्रैकिंग सिस्टम उनकी छाया के स्थान और आकार के अनुरूप रेडियो फ्रीक्वेंसी ट्यून करेगा और वोल्यूम भी नियंत्रित करेगा। बस, लोग छाया हिलाएंगे और सुनेंगे मनपसंद स्टेशन।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।